वर्षः 7- अंकः 56, मुंबई, मंगलवार, 11 अप्रैल, 2017 , मूल्यः1 रु. ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक

मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त

अब हर सच होगा उजागर

जाधव को मौत की सजा

जाधव को पाक ने फांसी दी तो वह मर्डर होगा: भारत, कैदियों की रिहाई भी रोकी

नई दिल्ली। पाकिस्तान की जेल में बंद भारतीय अफसर कुलभूषण जाधव को फांसी की सजा दी जाएगी। पाक ने आरोप लगाया था कि जाधव भारतीय जासूस है। आईएसपीआर के अफसर मेजर जनरल आसिफ गफूर ने ट्विटर पर बताया कि पाकिस्तान आर्मी एक्ट के तहत जाधव का फील्ड जनरल कोर्ट मार्शल किया गया और फांसी की सजा सुनाई गई। दूसरी ओर, भारत ने पाकिस्तान के हाईकमिश्नर को तलब कर उन्हें डिमार्शे सौंपा। कहा- अगर, जाधव को फांसी दी जाती है तो ये सोचा समझा मर्डर होगा। इसबीच, भारत ने पाकिस्तान के 11 कैदियों की रिहाई रोक दी है। **(शेष पृष्ठ 5 पर)**

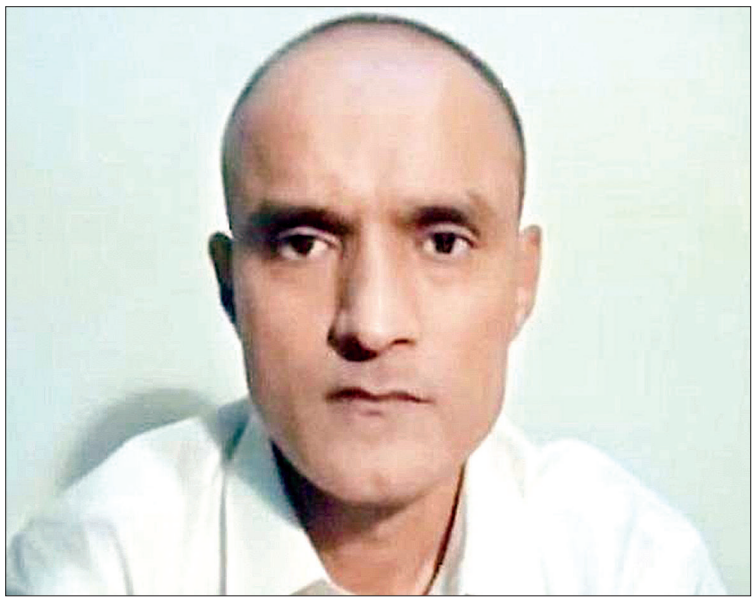

पाक ने जारी किया था जाधव के कबूलनामे का वीडियो

भारतीय विदेश मंत्रालय की तरफ से कहा गया है कि अगर जाधव के मामले में कानून और इंसाफ के बुनियादी मानदंडों को नजरअंदाज किया गया है, तो सरकार और भारत की जनता इसे सोची-समझी हत्या मानेगी। मार्च, 2016 में पाकिस्तान आर्मी ने जाधव के कथित कबूलनामे का वीडियो जारी किया था। आर्मी ने कहा था "कुलभूषण जाधव ने कबूल किया है कि वह रॉ के लिए बलूचिस्तान में काम कर रहा था और टेररिस्ट एक्टिविटीज में शामिल रहा।

भारत ने खारिज किए थे आरोप

इंडियन फॉरेन मिनिस्ट्री ने कहा था, वीडियो में यह शख्स (जाधव) जो बातें कह रहा है, उनमें कोई सच्चाई नहीं है। उसने जो भी कहा है, प्रेशर में कहा है। हालांकि, भारत सरकार ने ये माना था कि जाधव भारतीय नागरिक ही है और नेवी में अफसर रह चुका है। मिनिस्ट्री ने कहा था, "जाधव कानूनी तौर पर ईरान में बिजनेस करता था। उसे कस्टडी में हैरेस किया गया है। पाकिस्तान में उसकी मौजूदगी सवाल खड़े करती है। इससे ये शक पैदा होता है कि कहीं उसे ईरान से किडनैप तो नहीं किया गया?" भारत ने एम्बेसी के अफसरों की जाधव से मुलाकात कराने की इजाजत मांगी थी। पाकिस्तान ने भारत की मांग को ठुकरा दिया था।

नवाज के एडवाइजर के जाधव पर दो अलग-अलग बयान

7 दिसंबर, 2016 को नवाज शरीफ के फॉरेन अफेयर्स एडवाइजर सरताज अजीज ने कहा था, गिरफ्तार किए गए भारतीय जासूस जाधव ने सिर्फ बयान दिया है, लेकिन इसके अलावा उसके खिलाफ हमारी सरकार और एजेंसियों के पास कोई पुख्ता सबूत नहीं हैं। भारत को दिए जाने वाले डोजियर में जो सबूत हमने रखे हैं, वो काफी नहीं हैं। अब एजेंसियों की जिम्मेदारी है कि वो जाधव के खिलाफ सबूत जुटाने में कितना वक्त लगाती हैं। पाकिस्तानी टीवी चैनल जिओ न्यूज के मुताबिक, अजीज ने ये बात सीनेट चेंबर में सांसदों को ब्रीफ करते हुए कही थी। हालांकि, 3 मार्च, 2017 को अजीज ने पाकिस्तानी पार्लियामेंट में एक सवाल के जवाब में कहा, भारतीय जासूस के खिलाफ काफी सबूत हैं, उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। उसे भारत को सौंपने का कोई इरादा नहीं है।

भारत ने क्या लिया एक्शन

भारत ने पाकिस्तान के हाईकमिश्नर अब्दुल बासित को तलब किया। उन्हें डिमार्शे (डिप्लोमैटिक डिमांड लेटर) सौंपा। इसमें कहा गया- अगर सजा पर अमल होता है तो ये कानून के बुनियादी बुनियादी नियमों के खिलाफ होगा। इसे सोचा समझा कत्ल कहा जाएगा। डिमार्शे में आगे कहा गया- ये ध्यान रखा जाना चाहिए कि पाकिस्तान में इंडियन हाईकमीशन को ये बताने की जरूरत भी नहीं समझी गई कि कुलभूषण पर केस चल रहा है। भारत के लोग और सरकार इसे सोचा-समझा कत्ल ही मानेंगे।

मोदी राज में होगा 'अटल युग' का अंत

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठतम नेता पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के द्वारा शुरू की गई 'राष्ट्रधर्म' पत्रिका के भविष्य पर अब काले बादल मंडराने लगे हैं। केंद्रीय सूचना प्रसारण मंत्रालय ने राष्ट्रधर्म पत्रिका की डायरेक्टेट ऑफ एडवरटाइजिंग एंड विजुअल पब्लिसिटी की मान्यता को रद्द कर दिया है। जिसके बाद यह पत्रिका केंद्र के विज्ञापनों की सूची से बाहर हो गई है। **(शेष पृष्ठ 5 पर)**

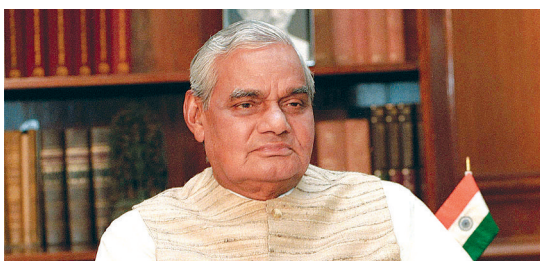

राष्ट्रधर्म की मान्यता हुई खत्म

आपको बता दें कि राष्ट्रधर्म पत्रिका की शुरूआत 1947 में हुई थी, अटल बिहारी वाजपेयी इस पत्रिका के संस्थापक संपादक थे। तो वहीं जनसंघ के संस्थापक पं। दीनदयाल उपाध्याय पत्रिका के संस्थापक प्रबंधक थे। इस पत्रिका का मकसद संघ के द्वारा राष्ट्र के प्रति लोगों के धर्म के बारे में जागरुक करने का था।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

काली-पीली टैक्सियों के लिए जल्द मोबाइल ऐप

मुंबई। बजट सत्र के अंतिम दिन मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मुंबई की काली-पीली टैक्सियों के लिए मोबाइल ऐप को जल्द से जल्द शुरू करने की बात कही। बता दें कि मुंबई में ओला-उबर की सेवाओं का कई बार विरोध करते हुए टैक्सी यूनियन ने कैबों पर लगाम लगाने की मांग की थी। इस पर सिटी टैक्सी स्कीम 2017 में परिवहन विभाग ने मोबाइल ऐप कैबों के लिए कूल कैब परमिट अनिवार्य कर दिया। शुक्रवार को मुख्यमंत्री ने काली-पीली टैक्सियों के लिए मोबाइल ऐप तीन माह के अंदर शुरू करने की बात कही है। इसे कैसे कब किया जाएगा, इस पर विचार किया जा रहा है। राज्य सरकार ने पहले ही स्वाभिमान और मुंबई टैक्सीमैन यूनियन ने मुंबई की काली-पीली टैक्सियों के लिए मोबाइल ऐप की शुरूआत करने की घोषणा की है। मुंबई टैक्सीमेंस यूनियन

के महासचिव एलएस क्वाड्रोस ने बताया कि हमने ओला-उबर को टक्कर देने के साथ-साथ आम मुंबईकरों को उनके घरों तक टैक्सी सुविधा देने की तैयारी कर ली है। एक मई से पहले हम काली-पीली टैक्सी के लिए मोबाइल ऐप की शुरूआत कर देंगे। उन्होंने बताया कि ओला-उबर जैसी मोबाइल ऐप टैक्सी कंपनियां बेस किराए के नाम पर आम लोगों से 55 रुपये वसूल करती हैं। फिर प्रति किमी 6 रुपये लेती हैं। इसके अलावा पीक समय में 10 प्रतिशत तक सरचार्ज भी वसूलती हैं, जिससे मुंबईकरों की जेब पर असर होता है। इसलिए हमने मुंबई में मोबाइल ऐप पर काली-पीली टैक्सियां चलाने का निर्णय लिया है। क्वाड्रोस ने बताया कि हम मोबाइल ऐप के लिए मेरू और सटैक कंपनी से बात कर रहे हैं जो कूल कैब और काली-पीली सामान्य टैक्सी के लिए मोबाइल ऐप बनाकर दे सकें। उन्होंने बताया कि 15000 काली-पीली टैक्सियां मोबाइल ऐप पर सेवाएं देंगी। इससे मुंबईकरों और टैक्सी चालकों दोनो को ही फायदा होगा। स्वाभिमान संगठन के अध्यक्ष के.के. तिवारी ने बताया कि करीब 2500 टैक्सियों में जीपीआरएस लगाने का काम पूरा हो चुका है। इसके लिए मोबाइल ऐप भी बनकर तैयार है।

मुंबई की होममेकर ने बिल्डिंग के वॉटर मीटर चोर को पकड़वाया

मुंबई। मुंबई की एक होममेकर महिला ने चोर को पकड़ने में गजब बहादुरी दिखाई। 40 साल की वनेर्सा रोड्रिज नैगांव में रहती हैं। शुक्रवार की दोपहर उन्होंने देखा कि उनकी बिल्डिंग से एक शख्स स्टील के वॉटर मीटर्स चुराने की कोशिश कर रहा है। बिल्डिंग की टेरेस से उन्होंने यह सब देखा। यह देखकर चुप रहने के बयाज रेड्रिज ने बिल्डिंग का अलॉर्म बजाया ताकि लोग इकट्ठा हो सकें। अलॉर्म बजने के कारण बिल्डिंग के लोग जमा हो गए और आरोपी चोर को पकड़ा जा सका। आरोपी का नाम लक्ष्मण केरकर (38) बताया जा रहा है। केरकर खुद को वसाई का रियल स्टेट एजेंट बताता है। रोड्रिज दो मंजिला बिल्डिंग के ग्राउंड फ्लोर में रहती हैं। शुक्रवार करीब 4.30 बजे उन्होंने एक पानी के पाइप से पानी का रिसाव होते देखा। इसके बाद जांच के लिए वह बाहर टेरेस पर निकलीं। बिल्डिंग के प्रवेश द्वार के पास ही उन्होंने लॉक टूटा हुआ देखा। इसके बाद जब वह टेरेस पर पहुंची तो उन्होंने देखा कि केरकर कॉपर के मीटर्स को निकाल रहा है। बिल्डिंग में ऐसे 22 मीटर हर फ्लैट के लिए एक मीटर के अनुपात में लगाए गए हैं। केरकर ने 8 मीटरों को निकाल लिया था। हर मीटर की कीमत 1,500 रुपए बताई जा रही है।

स्नैचरों को पकड़ने गई मुंबई पुलिस पर भीड़ ने किया अटैक, केरोसीन छिड़का

कल्याण। मुंबई के उपनगरीय इलाके अंबीवली के कुख्यात ईरानी बस्ती में भीड़ ने पुलिसकर्मियों पर ही धावा बोल दिया। पुलिस की एक टीम स्नैचरों को पकड़ने के लिए रविवार की सुबह जब पहुंची तो आरोपियों के परिवारवालों ने पुलिस पर जवाबी अटैक कर दिया। 25 के करीब लोगों की इस भीड़ में ज्यादातर महिलाएं थी। इतना ही नहीं हमला करने वाली इन महिलाओं में से कुछ ने एक पुलिसकर्मी पर केरोसीन छिड़ककर उसे जलाने की भी कोशिश की। पुलिसकर्मियों पर हमला सुनियोजित तरीके से गिया गया था। हमला करने वाली भीड़ की योजना आरोपियों को गिरफ्तारी से बचाना था। पुलिस की टीम पर भीड़ ने पत्थर भी फेंके।थ इस पत्थरबाजी में दो पुलिसकर्मी जिनमें एक सब इंस्पेक्टर

और एक कॉन्स्टेबल शामिल हैं जख्मी भी हो गए। उल्हासनगर डिविजन की डीसीपी सुनील भारद्वाज की ऐंटी चेन स्नैचिंग टीम को स्नैचरों के ईरानी बस्ती में छुपे होने की सूचना मिली थी। पुलिस को सूचना मिली थी कि दो कुख्यात स्नैचर समीर ईरानी और हसन ईरानी सैयद ईरानी बस्ती के अपने घर में छुपे हुए हैं। ये दोनों कई और केस में भी पुलिस की वॉन्टेड लिस्ट में हैं। डीसीपी भारद्वाज ईरानी और सैयद को पकड़ने के लिए 25 और पुलिसकर्मियों की टीम के साथ ईरानी बस्ती पहुंचे। पुलिस का कहना है, 'दोनों आरोपियों को खोजकर पकड़ने में हम कामयाब रहे।' पुलिस टीम के अनुसार, 'पकड़ने तक स्थिति सामान्य थी, लेकिन जब दोनों को लेकर जाने लगे तो भीड़ ने पुलिस टीम के साथ बहस शुरू कर दी। इसके बाद झड़प शुरू हो गई। आरोपी के एक रिश्तेदार ने कॉन्स्टेबल दाजी गायकवाड़ के ऊपर केरोसीन छिड़ककर जलाने की कोशिश करने लगा। इस पूरे घटनाक्रम का फायदा उठाकर आरोपी भाग निकलने में सफल रहे।'

भाजपा विधायक ने फिर की विधानपरिषद पर टिप्पणी

मुंबई। विधानपरिषद के खिलाफ बयानबाजी के लिए मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस की चेतावनी से बेपरवाह भाजपा विधायक अनिल गोटे ने फिर से विवादास्पद बयान दिया है। उन्होंने इस बात पर बहस करने की मांग की है कि दोनों सदनों में उच्चतर कौन है? विधानसभा में उन्होंने कहा, कांग्रेस के पूर्व विधायक केशवराव धोंगड़े ने कहा था कि विधानसभा उच्चतर सदन है, क्योंकि इसके सदस्य सीधे जनता से निर्वाचित होते हैं। दूसरी तरफ, विधानपरिषद के ज्यादातर सदस्यों का निर्वाचन विधायकों के जरिये होता है। बजट सत्र शुरू होने के बाद यह तीसरा मौका है, जब गोटे ने विधानसभा में यह मामला उठाया है। इससे पहले उन्होंने यह कहते हुए कि विधानपरिषद को संवैधानिक अधिकार हासिल नहीं है, इसे खत्म करने की मांग ही कर डाली थी। गोटे की बार-बार की बयानबाजी से नाराज प्रदेश भाजपा और राज्य सरकार उनको अलग-अलग नोटिस जारी कर चुकी है।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-दिलशाद एस.खान द्वारा एस.आर.प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को.ऑ.हॉ.सो.बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस.वी.रोड,मालाड (प.) मुंबई से प्रकाशित RNI NO.MAHHIN/2010/34146, फोन:9619102478 /9769659975 कार्यकारी संपादक - सी.हरीश
email: mumbaihalchal@gmail.com संपादक: **दिलशाद एस.खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

अनुष्का से परेशान हुए उनके पड़ोसी

मुंबई। बॉलिवुड की बॉक्स ऑफिस क्वीन अनुष्का शर्मा से भी उनके पड़ोसियों को परेशानी है। वसोवा के बद्रीनाथ टावर का 20वां फ्लोर ही अनुष्का का है जिसमें वह अपनी फैमिली के साथ रहती है। अनुष्का पर उनके बिल्डिंग के पूर्व सेक्रेटरी ने आरोप लगाया है कि उन्होंने पैसेज के रास्ते में अवैध इलेक्ट्रिक जंक्शन बॉक्स लगवाया। बीएमसी को लिखी चिट्ठी में सुनील बत्रा नाम के शख्स का आरोप है कि न सिर्फ अवैध तरीके से इलेक्ट्रिक जंक्शन बॉक्स बॉलिवुड ऐक्ट्रेस ने लगवाया बल्कि उन्होंने बिल्डिंग के कई और नियमों को भी तोड़ा है।

इस संबंध में हाल ही में बीएमसी (इटउ) ने अनुष्का शर्मा को पत्र लिखा है। जब हमारे सहयोगी अखबार मुंबई मिरर ने अनुष्का शर्मा से बात की तो उनके प्रवक्ता ने कहा, 'इलेक्ट्रिक बॉक्स सभी नियमों का पालन करते हुए और जरूरी अनुमति लेने के बाद ही लगाया गया है।' शिकायतकर्ता बत्रा बिल्डिंग में 16वें और 17वें फ्लोर के मालिक हैं। उनका कहना है, 'पहले उन्होंने इलेक्ट्रिक बॉक्स के बारे में फायर ब्रिगेड को सूचना दी। इसके बाद उन्होंने बीएमसी में इसकी शिकायत की।' बत्रा का कहना है, 'बीएमसी अधिकारियों ने आकर इसकी जांच की है और इलेक्ट्रिक बॉक्स को आपत्तिजनक माना है।'

अपनी बात के समर्थन में शिकायतकर्ता बत्रा ने बीएमसी के बिल्डिंग ऐंड फैक्ट्री विभाग के के वॉर्ड के असिस्टेंट इंजिनियर द्वारा लिखे पत्र को भी दिखाया। पत्र के अनुसार, 'फ्लैट नंबर 2001 और 2002 के मालिक द्वारा कॉमन पैसेज में इलेक्ट्रिक बॉक्स लगवाना पूरी तरह से आपत्तिजनक है। फ्लैट मालिक को निर्देश दिया जाता है कि तत्काल वहां से इलेक्ट्रिक बॉक्स को हटवाएं। इलेक्ट्रिक बॉक्स नहीं हटाने पर एमएमसी नियमों के तहत जरूरी कार्रवाई की जाएगी।' बत्रा का कहना है कि पत्र 6 अप्रैल को जारी किया गया है। शिकायतकर्ता बत्रा ने कई और आरोप भी अनुष्का शर्मा पर लगाए हैं। उनका कहना है कि बॉलिवुड अभिनेत्री के परिवार ने पैसेज के रास्ते में एक लकड़ी का कपबोर्ड भी लगवााया है। वहीं उनका एयर-कंडीशन भी बार की तरफ लगवाया गया है जिसकी वजह से दीवारों पर अभी से दरारें पड़ गई हैं। बाहरी हिस्से की दीवारें इतना भार सहन नहीं कर सकती हैं। बत्रा से जब पूछा गया कि उन्होंने इस मामले की शिकायत सोसाइटी की मैनेजिंग कमिटी से क्यों नहीं की तो उनका कहना है कि कमिटी पूरी तरह से अनुष्का शर्मा के पक्ष में है। बत्रा का कहना है कि मैं कोई बड़ी दुर्घटना होने का इंतजार नहीं कर सकता इसलिए मैंने शिकायत करने का फैसला किया।

एनडीए के सदस्यों के लिए रात्रिभोज की मेजबानी करेंगे पीएम मोदी, उद्धव भी होंगे शामिल

मुंबई। सोमवार को दिल्ली में होने वाली एनडीए की बैठक में भाग लेने के लिए उद्धव ठाकरे दिल्ली जाएंगे। पीएम नरेंद्र मोदी ने एनडीए के सहयोगी दलों के लिए एक 'डिनर' का आयोजन किया है। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह ने फोन करके उद्धव को बैठक में आने के न्यौता दिया। शिवसेना सांसद राउत ने पुष्टि की है कि उद्धव पीएम द्वारा आयोजित डिनर में शामिल होंगे। इस बैठक में विविध राष्ट्रीय मुद्दों पर तो बात होगी ही, लेकिन बैठक का मुख्य विषय जुलाई में होने वाले राष्ट्रपति पद चुनाव के लिए एनडीए उम्मीदवार का नाम तय करना है। यह बैठक दिल्ली के प्रवासी भारतीय भवन में शाम को 6 बजे से होनी है। बीजेपी के पास लोकसभा में बहुमत है और इसके अलावा कई राज्यों में पार्टी की सरकार भी है। ऐसी सशक्त स्थिति में होने के बावजूद भी बीजेपी अपने सहयोगियों को शिकायत का कोई मौका नहीं देना चाहती। पार्टी के सूत्रों का कहन है कि इसी वजह से पीएम मोदी रात्रिभोज की मेजबानी कर रहे हैं।

इकलौते बेटे को खोने वाले पैरंट्स को इंश्योरेंस कंपनी देगी 3.35 करोड़ का मुआवजा

मुंबई। एक्सीडेंट के केस में एक बुजुर्ग माता-पिता को इंश्योरेंस कंपनी को 3.35 करोड़ का तगड़ा मुआवजा देना होगा। मृतक शख्स पेशे से पायलट था और 2015 में एक कार दुर्घटना में उनकी मौत हुई थी। वेस्टर्न एक्सप्रेस वे पर हुए इस हादसे में बुजुर्ग मां-बाप ने अपने इकलौते बेटे को हमेशा के लिए खो दिया था। शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत में केस के पहुंचने से पहले ही कंपनी और पैरंट्स के बीच समझौता हो गया।

हमारे सहयोगी अखबार टाइम्स ऑफ इंडिया से बात करते हुए मृतक पायलट के पिता ने कहा, 'जून 2015 मेंमैंने और मेरी पत्नी ने मोटर एक्सीडेंट क्लेम ट्राइब्यूनल के सामने 10 करोड़ के मुआवजे की मांग की थी। हमारा बेटा सिर्फ 28 साल का था और वह अपने जीवन में बहुत अच्छा कर रहा था।' उन्होंने कहा, 'हमने उस हादसे में अपने इकलौते बेटे को हमेशा के लिए खो दिया।'

बुजुर्ग पिता को मुआवजे के लिए भागदौड़ करनी पड़ी। उसके बारे में उन्होंने कहा, 'हमने ट्राइब्यूनल के सामने कई बार अपील की और अपना पक्ष रखा। हमें कई-कई बार चक्कर काटना पड़ा। पिछले 3 साल में इस उम्र में हमें बहुत भागदौड़ करनी पड़ी। आखरिकार मामला 3.7 करोड़ पर खत्म हुआ।'

शराब बंदी पर होटल-बार वाले पर्यटन मंत्री से मिले

मुंबई । राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय राजमार्गों के 500 मीटर तक स्थित रेस्ट्रॉन्ट, बार और होटल में शराब परोसने पर लगे प्रतिबंध को लेकर इस उद्योग के प्रतिनिधि महाराष्ट्र के पर्यटन मंत्री जयकुमार रावल से मिले और अपनी चिंता से अवगत कराया। इस प्रतिनिधिमंडल में फेडरेशन ऑफ होटल ऐंड रेस्टोरेंट असोसिएशन ऑफ इंडिया और होटल ऐंड रेस्ट्रॉन्ट असोसिएशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया के पदाधिकारी शामिल थे।

आवश्यक सूचना

पाठकों को सूचित किया जाता है कि **'दैनिक मुंबई हलचल'** के नाम पर अगर कोई भी व्यक्ति आपसे किसी भी तरह का 'व्यवहार' करता है तो इसकी पुष्टि के लिए इस नंबर पर संपर्क कर लें।।
(9619102478)

आवश्यक है

'दैनिक मुंबई हलचल' अखबार के लिए दक्षिण मध्य मुंबई, बांद्रा, कुर्ला, गोवंडी, अंधेरी, मालाड, दहिसर, ठाणे, मीरा रोड इत्यादि अनेक क्षेत्रों से अंशकालीन संवाददाताओं की आवश्यकता है तुरतं संपर्क करें कॉल करें समय (3 से 6 बजे)
(9619102478)

राणे शिवसेना नहीं छोड़ते तो राज्य की राजनीति अलग दिशा में गई होती : गडकरी

मुंबई। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व पूर्व मुख्यमंत्री नारायण राणे ने यदि शिवसेना नहीं छोड़ी होती तो आज महाराष्ट्र की राजनीति की दिशा अलग होती। गडकरी ने कहा कि राणे सेल्फ मेड हैं। पार्टी बदलने के बाद नेताओं का रंग बदल जाता है, लेकिन शिवसेना छोड़ने के बाद राणे ने कभी भी दिवंगत शिवसेना प्रमुख बालासाहब ठाकरे का अनादर करने वाला बयान नहीं दिया। शिवसेना से जाने के बाद उन्होंने सिद्ध किया कि उनका नेतृत्व पार्टी से अलग है।

राणे के 65 वें जन्मदिन से एक दिन पहले रविवार को उनके सम्मान में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान कांग्रेस, राष्ट्रवादी कांग्रेस और भाजपा के कई दिग्गज नेता मौजूद रहे। कार्यक्रम में भाजपा नेता गडकरी ने बताया कि बालासाहब ठाकरे एक बार मुझे शिवसेना में बुला रहे थे। उन्होंने कहा था कि आप भाजपा के लायक नहीं हो।

गडकरी ने कहा कि बालासाहब ठाकरे का राणे पर खूब स्नेह था। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व पूर्व केंद्रीय मंत्री सुशील कुमार शिंदे ने कहा कि राणे के पार्टी छोड़ने की अफवाह काफी चल रही है। लेकिन मैं मानता हूं कि राणे दूरदर्शी नेता हैं। वे विचार करके ही कोई फैसला लेंगे। ऐसा मुझे पूरा विश्वास है। राष्ट्रवादी कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयंत पाटील ने कहा कि एक बार मैंने अपना वजन काफी कम किया था। वित्त मंत्री होने के नाते मुझे सदन में बजट पेश करना था। लेकिन मेरे पास व्यवस्थित कपड़े नहीं थे। संयोग से यह बात राणे को पता चली। उन्होंने मेरे पास दर्जी भेजा। दूसरे दिन फिर सुबह 11 बजे विपक्ष के नेता की तरफ से दिया गया सूट पहन कर मैंने बजट पेश किया। महाराष्ट्र विधान परिषद में सभापति रामराजे निंबालकर ने कहा कि राणे साहब आप किसी भी दल में जाइए लेकिन अपना रुवाब बरकरार रखिए।

कांग्रेस नेता राणे ने बालासाहब ठाकरे को याद किया। राणे ने कहा कि मैं जो कुछ भी आज हूं वो केवल बालासाहब ठाकरे के कारण हूं। शिवसेना में रहते हुए बालासाहब ने मुझ पर विश्वास जताया।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

आस्था का सवाल

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने यह जो इच्छा प्रकट की कि देश भर में गोहत्या पर प्रतिबंध लगना चाहिए वह नई नहीं है। आरएसएस के साथ-साथ अन्य अनेक धार्मिक-सामाजिक और सांस्कृतिक संगठन इस तरह की मांग एक लंबे अर्से से करते चले आ रहे हैं। ऐसी मांग आजादी के बाद पहले भी की गई और बाद में भी। इससे भी सभी अवगत हैं कि इसके लिए समय-समय पर आंदोलन भी हुए। जो लोग यह समझ रहे हैं कि हिंदू समाज गोहत्या के लिए सहमत हो जाएगा वे एक तरह से जानबूझकर इस तथ्य की अनदेखी कर रहे हैं कि हिंदुओं के लिए गाय सदियों से आस्था का प्रतीक है और ऐसे प्रतीक कभी ओझल नहीं होते। आखिर इस देश में गाय के प्रति व्यापक हिंदू समाज की जो आस्था है उसका सम्मान क्यों नहीं हो सकता? जब अकबर समेत कई अन्य मुगल शासकों ने गोहत्या को निषेध बनाने की जरूरत समझी तो फिर आज कुछ लोग यह समझने से क्यों इन्कार कर रहे हैं कि हिंदू समाज में गाय की क्या महत्ता है? यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि जब कभी हिंदू संगठन अपनी यह इच्छा प्रकट करते हैं कि गाय के प्रति उनकी भावनाओं को सम्मान मिले और उन राज्यों में चोरी-छिपे गोहत्या की प्रवृत्ति पर रोक लगे जहां ऐसा करना निषेध है तो कुछ लोग तरह-तरह के कुतर्कों के साथ सामने आ जाते हैं। कई लोग तो ऐसे तर्कों के साथ हिंदू समाज को चिढ़ाने पर भी उतर आते हैं कि आखिर अन्य दुधारू पशुओं ने क्या बिगाड़ा है? यह मानने के अच्छे-भले कारण हैं कि पाबंदी वाले राज्यों में गोहत्या की एक वजह हिंदुओं को चिढ़ाना और उन्हें नीचा दिखाना रहता है।

बहुत दिन नहीं हुए जब संसद में यह कहा गया था कि गोमांस सेवन पर रोक लगाना लोगों को प्रोटीन युक्त खाद्य सामग्री से वंचित करना है। स्पष्ट है कि ये वही लोग हैं जो गाय को केवल आर्थिक दृष्टि से देखते हैं और उसकी धार्मिक-सांस्कृतिक महत्ता की अनदेखी करते हैं। किसी भी वर्ग-समुदाय के लिए गोमांस सेवन आवश्यक नहीं है। निःसंदेह यह भी नहीं कहा जा सकता कि इसके बिना किसी का काम नहीं चल सकता। आज जब मुस्लिम समाज के भी अनेक धार्मिक-राजनीतिक नेता गोहत्या पर प्रतिबंध की मांग के साथ गोमांस से परहेज करने का आग्रह कर रहे हैं तब फिर यह आवश्यक हो जाता है कि सभी लोग ऐसा माहौल बनाने में योगदान दें जिससे गोहत्या पर प्रभावी ढंग से प्रतिबंध लग सके। मोहन भागवत ने गोहत्या पर देशव्यापी प्रतिबंध की अपेक्षा प्रकट करने के साथ यह जो कहा कि गोरक्षा का कार्य अहिंसा का पालन करते हुए किया जाना चाहिए उस पर भी सभी को और विशेष रूप से उन हिंदू संगठनों को अनिवार्य रूप से गौर करना चाहिए जो गोरक्षा को लेकर सक्रिय हैं। गोरक्षा के नाम पर किसी को भी कानून अपने हाथ में लेने की अनुमति नहीं मिल सकती। अलवर की दुर्भाग्पूर्ण घटना के बाद गोरक्षा को लेकर सक्रिय संगठनों को चेत जाना चाहिए। ऐसी घटनाएं गोरक्षा संगठनों के साथ-साथ अन्य अनेक हिंदू संगठनों की बदनामी का कारण बनती हैं। निःसंदेह गायों की देखभाल के तौर-तरीकों पर भी ध्यान देने की आवश्यकता है और इस पर भी विचार करने की कि बूढ़ी-बीमार गायों की देखभाल कैसे की जाए।

सुविचार

अपने गुणों पे घमंड के कारण, व्यक्ति दूसरों के अवगुणों को देखता है और दूसरों के अवगुणों को देख कर, व्यक्ति का घमंड और अधिक मजबूत हो जाता है।

बेड़ियां तोड़तीं मुस्लिम औरतें

मशहूर शायर फैज अहमद फैज ने अरसा पहले अपनी एक नज्म के जरिये औरतों को झकझोरने की कोशिश की थी। नज्म कुछ यूं है, ह्यबोल कि लब आजाद हैं तेरे, बोल जुबां अब तक तेरी है।ह्न उनकी इस नज्म ने महिलाओं पर गहरा असर डाला। यह नज्म जगह-जगह गुनगुनाई जाने लगी और अब इसका असर भी दिखने लगा है। यूं तो औरतों पर बंदिशों की कमी नहीं, लेकिन मुस्लिम समुदाय में ये कुछ ज्यादा नजर आती हैं। बहरहाल औरतें अब बोलने लगी हैं। फैज आज जिंदा होते तो यकीनन बेहद खुश होते कि औरतों ने अपने हक में अपनी आवाज बुलंद करनी शुरू कर दी है। यह एक खुशनुमा सवेरे की दस्तक है।

देश ही नहीं दुनिया भर में मुसलमान औरतें बदल रही हैं और सही मायनों में अपनी मौजूदगी दर्ज करा रही हैं। हाल के वर्षों में औरतों ने कई झंडे गाड़े हैं जो किसी नजीर से कम नहीं। इनमें से एक नाम है इराक में यजीदी समुदाय की 15 साल की लड़की लाम्या का। नौवीं कक्षा की छात्रा लाम्या को वर्ष 2014 में आइएसआइएस ने बंधक बना लिया था। पांच मर्तबा उसकी खरीद-फरोख्त की गई। किसी तरह आतंकियों के चंगुल से निकलकर छूटी यह लड़की आज दुनिया भर में घूम-घूमकर अपनी दास्तान सुना रही है। वह उम्मीद जताती है कि एक दिन दुनिया आइएसआइएस नाम के नासूर से जरूर मुक्ति पा लेगी। पड़ोसी पाकिस्तान में पख्तून औरतें भी बगावत पर उतर आई हैं और वजीरिस्तान में उन्होंने खुद को ह्यसेक्स स्लेवह्न बनाए जाने का तगड़ा विरोध किया। फ्रांस की एक नेता मैरीन ली पेन को लेबनान यात्रा के दौरान सिर पर स्कार्फ पहनने के लिए कहा गया, लेकिन उन्होंने ऐसा करने से साफ मना कर दिया। अपने अधिकारों के लिए सऊदी अरब की महिलाओं का संघर्ष भी धीरे-धीरे रंग लाया। नतीजतन 2014 के स्थानीय निकाय चुनाव में उन्हें पहली बार मताधिकार हासिल हुआ। इतना ही नहीं उन्हें चुनाव में उम्मीदवार बनने का अधिकार भी मिला और पहली बार ही 200 महिलाएं चुनावी मैदान में उतर गईं। मतदाता पंजीकरण कराने वाली पहली महिला सलमा अल रशादी ने कहा कि उन्हें बहुत अच्छा लग रहा है, बदलाव एक बड़ा शब्द है, लेकिन चुनाव ही एक मात्र जरिया है जिससे हमें वास्तव में प्रतिनिधित्व मिल सकेगा। 43 साल में पहली बार 20 वर्षीय शायमा अब्दुर्रहमान मिस इराक चुनी गईं। इस आयोजन के मुख्य द्वार पर एके 47 की चाकचौबंद पहरेदारी में ही सही, चार दशकों में पहली बार किसी ने जंग की नहीं, बल्कि जिंदगी की बात की। ईरान की एक लड़की मसीह अलीनेजाद ने फेसबुक पर हिजाब फ्री कैंपेन चलाया, ईरानी लड़कियों से बिना हिजाब वाली फोटो मंगाई और लाखों लड़कियों ने अपनी फोटो अपलोड कर दी। जबकि आज भी ईरान में बिना हिजाब निकलने पर गिरफ्तारी हो सकती है। ये मुसलमान औरतों के मुसलसल संघर्ष की मुकम्मल होती मिसालें हैं

भारत में भी मुस्लिम महिलाएं पितृसत्तात्मक बेड़ियों को तोड़कर सफलता के नए प्रतिमान गढ़ रही हैं। हाजी अली दरगाह में अचानक महिलाओं का प्रवेश बंद कर दिया गया। मुस्लिम औरतों ने इस पर बहस-मुबाहिसा किया। उससे बात नहीं बनी तो उन्होंने अदालत का रुख किया। इस पर अदालत में उन्हें मिली जीत से धर्म के ठेकेदार मुंह ताकते रह गए। शाहबानो मामले से लेकर सायरा बानो मामले तक आते-आते मुस्लिम महिलाएं काफी बदल गईं। उन्होंने तीन तलाक के मुद्दे को भी अदालत में चुनौती दे डाली और किसी भी स्त्री विरोधी मजहबी व्याख्या को मानने से इन्कार कर दिया। हरियाणा में एक साधारण सी लड़की ने सिर्फ इस वजह से निकाह करने से इन्कार कर दिया, क्योंकि वर पक्ष के यहां शौचालय नहीं था। उत्तर प्रदेश में नई सरकार बनने के साथ ही रोजाना बड़ी संख्या में आ रहे तीन तलाक के मामलों को लेकर महिलाएं मुख्यमंत्री से मुलाकात कर रही हैं। महिलाएं बाकायदा प्रतिनिधिमंडल गठित कर महिला कल्याण मंत्री डॉ. रीता बहुगुणा जोशी के पास चली जाती हैं और उनसे पूछती हैं कि आप की पार्टी के चुनावी संकल्प पत्र में तीन तलाक का मसला भी था तो इस पर अब आप क्या कर रही हैं? यह सच है कि भारत के इतिहास में पहली बार किसी राजनीतिक दल के चुनावी घोषणा पत्र में मुस्लिम महिलाओं की पीड़ा का पर्याय बने तीन तलाक के मसले को शामिल किया गया है। इसलिए अब जवाबदेही भी सरकार की बनती है। महिलाएं बहुत उत्साह में हैं, आशान्वित हैं विशेषकर पीड़ित महिलाएं बार-बार सवाल कर रही हैं। मुस्लिम महिलाओं से जुड़े मुद्दे पिछले सत्तर सालों के इतिहास में हमेशा हाशिये पर ही रहे। अल्पसंख्यक अधिकारों के नाम पर मुसलमान मर्द अपने लिए तो सब कुछ लेना चाहते हैं, लेकिन औरतों को वे अपनी मर्जी के मुताबिक ही देना चाहते हैं। कौम की आधी आबादी को तवज्जो ही नहीं मिली। उसे अनसुना किया गया। उसी कौम के तथाकथित रहनुमाओं ने उसकी लगातार अनदेखी की। उनकी बदजुबानी और मजहबी जकड़बंदी ने भी औरत को पीछे धकेल दिया। स्वयंभू उलमाओं ने खुद की गढ़ी किताबों के जरिये उसकी भूमिका को सीमित करने का काम किया। पितृसत्ता इतना डरती है औरत से! ये देख कर हैरानी होती है। बाबा साहेब आंबेडकर ने एक बार कहा था-गुलाम को गुलामी का अहसास करा दो तो वह विद्रोह कर गुलामी की बेड़ियां तोड़ देगा। सदियों की गुलाम मुसलमान औरतों को गुलामी का अहसास हो गया है और अब वे विद्रोह पर उतारू होकर आजाद हवा में सांस लेने पर आमादा हैं। किसी राजनीतिक दल ने मुसलमान औरत का वर्ग तैयार नहीं किया। यह तबका खुद अपनी परेशानियों से आजिज आकर खड़ा हुआ है। उसे लगातार अनसुना करते रहे, बेड़ियों में जकड़े रहे, मजहबी खौफ से डराते रहे, जन्नत जाने के लिए उसे जमीनी खुदा शौहर की खिदमत करने का सबक देते रहे। इससे औरतों का दम घुटता ही रहा और आखिरकार वह दिन आ ही गया जब वे बिना जंजीरों वाले कैदखाने से खुद ही निकल भागने में कामयाब हो गईं।

अब उसे स्त्री विरोधी गढ़ी हुई मजहबी किताबों से डराया नहीं जा कसता। उन्हें तीन तलाक की मनमानी व्याख्या भी कतई नामंजूर है। औरतें सवाल उठा रही हैं। पूछ रही हैं कि इसी देश की धरती पर हिंदू धर्म में प्रचलित ह्यसतीह्न जैसी कुप्रथा को तिलांजलि दी गई। वे यह सवाल भी कर रही हैं कि हिंदू धर्म में तलाक नहीं है, फिर भी धर्म को किनारे रखकर इसी देश ने 1955 मे हिंदू स्त्री को तलाक का हक कैसे दिया? अगर ये मुमकिन है तो फिर उसी देश में मुस्लिम मजहबी किताबों को किनारे रखकर मुस्लिम स्त्री को जुबानी तीन तलाक से निजात मिलना क्यों मुमकिन नहीं है? मुस्लिम औरतों के इस जायज सवाल का जवाब भारत सरकार को देना ही होगा। उम्मीद से टकटकी लगाए औरतें सरकार की ओर ताक रही हैं कि जिस तरह उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार ने अपने संकल्प पत्र में किए अन्य वादों के प्रति दृढ़ता दिखाई. है उसी तरह तीन तलाक के मामले में भी जल्द ही जरूरी कदम उठाए जाएंगे।

ईवीएम पर उतरती हार की खीझ

दुनिया के दिग्गज बुद्धिजीवियों में शुमार नोम चोम्स्की ने एक लेख में उन दस रणनीतियों का उल्लेख किया है जिन्हें दुनिया के विभिन्न नेताओं ने जनता को अपनी ओर मोड़ने के लिए धूर्ततापूर्वक इस्तेमाल किया है। इनमें पहली है ह्यबरगलाओ और ध्यान भटकाओह्न और दूसरी ह्यसमस्या पैदा करो, समाधान देखा जाएगा। चोम्स्की की इन रणनीतियों का भारतीय राजनीति में किसी ने सर्वाधिक इस्तेमाल किया है तो वह हैं आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल। 2015 में दिल्ली की सत्ता संभालने के चंद दिनों बाद से ही केजरीवाल ने जिस तरह के आरोपों एवं मुद्दों से भटकाने और सिर्फ समस्याएं खड़ी करने वाली राजनीति शुरू की है उसकी नवीनतम कड़ी है इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) से जुड़ा विवाद। केजरीवाल ने एक तरह से चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न लगाते हुए ईवीएम में भाजपा द्वारा छेड़छाड़ और गड़बड़ी के आरोप लगाए हैं। उनसे पहले मायावती और फिर कांग्रेस भी यही राग अलाप चुके हैं। यहां कटघरे में भाजपा के साथ-साथ चुनाव आयोग भी है, क्योंकि चुनाव आयोग से बिना मिले भाजपा ईवीएम में अकेले इतने बड़े पैमाने पर गड़बड़ी नहीं कर सकती। आखिर इन आरोपों में कितना दम है? हालिया विधानसभा चुनावों में करारी हार के बाद किसी भी हद तक जाकर अपनी राजनीतिक लिप्सा पूरी करने में केजरीवाल के साथ-साथ मायावती और कांग्रेस उन लोकतांत्रिक संस्थाओं को भी कुर्बान कर देने पर उतारू हैं जो भारतीय राज्यव्यवस्था की बुनियाद हैं। इन संस्थाओं में एक भारतीय चुनाव आयोग आजकल केजरीवाल के निशाने पर है। उन्हीं के सुर में मायावती, कांग्रेस के साथ-साथ समाजवादी पार्टी आदि के नेता भी सुर मिला रहे हैं। ये लोग आगामी चुनावों को ईवीएम की जगह मतपत्र वाली पुरानी प्रणाली से कराने की मांग कर रहे हैं जो समय, धन, ऊर्जा और मानव संसाधनों की दृष्टि से न केवल बहुत खर्चीली है, बल्कि उसमें गड़बड़ी की संभावनाएं अपेक्षाकृत ज्यादा हैं। केजरीवाल ने तो सीधे-सीधे आयोग को चुनौती देते हुए कहा कि वह 72 घंटों के लिए ईवीएम उनके हवाले कर दे फिर उनके एक्सपर्ट यह दिखा देंगे कि मशीन के साथ छेड़छाड़ कैसे की जाती है। यहां जान लिया जाए कि 2015 के दिल्ली विधानसभा चुनाव में जब केजरीवाल को कुल 70 सीटों में 67 सीटें मिली थीं तो यह परिणाम इन्हीं ईवीएम द्वारा आया था और उस समय भी केंद्र में भाजपा सरकार थी, लेकिन तब केजरीवाल को ईवीएम में दोष नजर नहीं आ रहा था।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

पर्यावरण मित्रवत पहल के माध्यम से पश्चिम रेलवे द्वारा पर्यावरण का संरक्षण

राधिका यादव

मुंबई । भारतीय रेलवे न केवल यात्री और माल परिवहन में यातायात का एक कुशल माध्यम है बल्कि ऊर्जा संरक्षण में अत्यंत प्रभावशाली भी है । साथ ही यह माध्यम पर्यावरण संरक्षण में भी अहम योगदान देता है। पर्यावरण प्रभावों और ग्रीन हाउस गैस के स्राव को कम करने के लिए पश्चिम रेलवे द्वारा किए गए विशिष्ट प्रयासों और पहलमें हमें वांछित परिणाम प्राप्त हुए हैं। ग्रीन हाऊस स्रावों को कमकरने तथा ऊर्जा बिल में बचत करने के उद्देश्य से रेल मंत्रालय नेऊर्जा पुनः उत्पादित स्रोतों के इस्तेमाल पर जोर दिया है।

गौरतलब है कि रेलवे ने कुछ अग्रगामी प्रयासों जैसे रेलवे भवनों, रेलवे कोचों इत्यादि की छत पर सोलर पैनल लगाए हैं जिससे सोलर ऊर्जा प्राप्त की जा सके और कार्बन फुटप्रिन्ट एवं कई अन्य कारणों से होनेवाली हानि से बचने के लिए रेलवे की जमीन पर सोलर पावर प्लांटलगाए हैं । इस अनुकरणीय गतिविधि के अनुसरण की दिशा मेंपश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री रविन्द्र भाकर नेबताया कि भारतीय रेलवे में पश्चिम रेलवे हरित ऊर्जा के उपयोगतथा ऊर्जा संरक्षण में अग्रणी है। इस संबंध में भाकर ने कहा है कि पश्चिम रेलवे पर परिचालित ट्रेनों के यात्री डिब्बों से मानवीय अवशिष्ट के शून्य डिस्चार्ज को सुनिश्चित करने के लिए पश्चिम रेलवे ने डिब्बों में बायो टॉयलेटलगाए हैं । डिब्बों में बायो टॉयलेट लगाने से संबंधी यह कार्य बांद्राटर्मिनस, सूरत,

इंदौर और भावनगर स्थित कोचिंग डिपो में किया जारहा है । पश्चिम रेलवे के भावनगर मंडल का पोरबंदर-वासंजलिया और राजकोट मंडल का ओखा-कानालूस खंड को ग्रीन कॉरिडोरघोषित किया जा चुका है । इन कॉरिडोरों पर परिचालित होने वालीसभी गाड़ियों में बायो टॉयलेट लगाए गए हैं । पश्चिम रेलवे में अभीतक 1049 डिब्बों में बायो टैंक लगाए जा चुके हैं ।

साथ ही भाकर ने वृहद स्तर पर विभिन्न यात्री मित्रवत और ऊर्जा को संरक्षित करने वाले प्रयास किए जाने का स्पष्ट किया है । बेहतर और स्वच्छ वातावरण के लिए गैर परंपरागत ऊर्जा के स्रोतों को लगायाजा रहा है तथा रेल परिसर में जहाँ भी संभव है, वहाँ सोलर पैनल,पवन चक्की, वॉटर रिसायकलिंग प्लांट इत्यादि के जरिए ऊर्जा कोसंरक्षित करने के प्रयास किए जा रहे हैं। हाल ही में माननीय रेलमंत्री श्री सुरेश प्रभु ने ग्रीन एनर्जी पहल के तहत रुपए 75 लाख कीलागत से चर्चगेट स्टेशन पर बने 100 किलोवाट पावर के सोलरपावर प्लांट सिस्टम का उद्घाटन किया है। इस सोलर प्लांट से प्रतिवर्ष 1.4 लाख यूनिट बिजली ऊर्जा उत्पन्न होगी जिससे बिजली केबिल में अनुमानतः प्रति वर्ष 14 लाख की बचत होगी। पश्चिम रेलवेमें वर्ष 2016-17 के दौरान स्टेशन भवन/ सर्विस बिल्डिंग/ समपारफाटकों की छतों पर 278.49 डहस्र क्षमता के सोलर प्लांट लगाएगए हैं इस प्रकार से अब कुल क्षमता 461 डहस्र हो गई है। इसवर्ष पिछले वर्ष की तुलना में लोड में 2 प्रतिशत की अनुमानतः वृद्धिके बावजूद 8.57 मिलियन यूनिट (8.69 %) की कमी हुई है। पश्चिम रेलवे पर जहां कहीं संभव है वहां एलईडी लाइटें लगाई जारही है। सिगनलिंग लैम्पों को एलईडी सिगनलों में बदला जा चुकाहै। रेलवे स्टेशनों और ईएमयू रैकों में एलईडी लाइटें लगाई जा रहीहैं। पश्चिम रेलवे में वर्ष 2016-17 के दौरान पुरानी फिटिंगों के स्थानपर 20471 एलईडी लाइटें लगाई गई हैं।

मनपा विरोधी पक्ष नेता की घोषणा करने से महापौर ने झाड़ा पल्ला

विरोधी पक्ष के पद को लेकर पेच बरकरार

राधिका यादव

मुंबई । मनपा विरोधी पक्ष नेता के पद को लेकर अब भी पेच बना हुआ है । इस पद का दावा करने वाली कांग्रेस को विधि विभाग के अभिप्राय के बावजूद विपक्ष का नेता पद नहीं दिया गया है । साथ ही इस दौरान महापौर द्वारा अपने अधिकारों से पल्ला झाड़ा गया है । जिसके संदर्भ में कांग्रेस अदालत का दरवाजा खटखटाने की तयारी में है । गौरतलब है कि मनपा में अब तक विरोधी पक्ष नेता का पद रिक्त है । मनपा में विपक्ष के नेता को वैधानिक दर्जा प्राप्त है । मनपा चुनाव में शिवसेना के 84 एवं भाजपा के 82 नगरसेवक निर्वाचित हुए हैं । कांग्रेस मनपा में तीसरी सबसे बड़ी पार्टी है । मनपा सदन में कांग्रेस के गटनेता रविराजा ने पिछले महीने विरोधी पक्ष नेता पद के संदर्भ में हरकती का मुद्दा उठाया था । जिसमे का मनपा में दूसरी बड़ी पार्टी भाजपा के गुट नेता मनोज कोटक को विपक्ष का नेता नियुक्त करने की मांग थी । उन्होंने दलील दी कि लोकतंत्र में विपक्ष का बहुत अधिक महत्व है । हालांकि उस समय भाजपा के गटनेता मनोज कोटक ने विपक्ष का नेता पद लेने से इंकार कर दिया था । भाजपा के इंकार के बावजूद महापौर विश्वनाथ महाडेश्वर ने रविराजा के मुद्दे को अभिप्राय के लिए भेज दिया था । जिसपर विधि विभाग ने अपना अभिप्राय दे दिया है जिसे सोमवार को महापौर महाडेश्वर ने सदन में पढ़ कर सुनाया । जिसके तहत विपक्ष का नेता चुनने का अधिकार महापौर को है । मनपा एक्ट के मुताबिक सदन में दूसरी बड़ी पार्टी के नेता को महापौर विपक्ष का नेता नियुक्त करते हैं .यदि दूसरी बड़ी पार्टी सत्ताधारी पार्टी के साथ रहती है तो तीसरी बड़ी पार्टी के गुट नेता को यह पद मिलता है । सोमवार को भाजपा गुट नेता कोटक ने विपक्ष का नेता पद लेने से इंकार दिया लेकिन महापौर ने विपक्ष के नेता की नियुक्ति नहीं की । महापौर महाडेश्वर ने कहा कि रवि राजा की तरफ से उठाए गए मुद्दे का उत्तर उन्हें लिखित रूप से उपलब्ध करा दिया जायेगा । वहीं कांग्रेस के नगरसेवकों ने शिवसेना पर लोकतंत्र की हत्या का आरोप लगाया है । जिसके संदर्भ में कांग्रेस अदालत में जाने की तैयारी कर रही है ।

(पृष्ठ 1 का शेष)

जाधव को मौत की सजा...

पूर्व भारतीय नौसैनिक कुलभूषण जाधव को पाकिस्तान में अचानक मौत की सजा सुना दी गई। ऐसे साफ संकेत हैं कि भारत-नेपाल सीमा पर पकड़े गए पाकिस्तानी सेना के एक अफसर पर हिन्दुस्तानी कार्रवाई के डर से पाक सेना ने जल्दीबाजी में ये कदम उठाया है। दोनों देशों के जर्नलिस्टों द्वारा सोशल मीडिया पर षड्यंत्र का आरोप लगाते हुए तरह-तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। लेकिन एक बात तो कॉमन है कि लेफ्टिनेंट कर्नल मो। हबीब नेपाल में गायब हैं। तो क्या पाकिस्तानी कार्रवाई पाकिस्तान सेना के अधिकारी के नेपाल में अपहरण से संबंधित है? यदि हां, तो यह कोई आम प्रचलन की बात नहीं है। भारतीय पक्ष का मानना है कि कुलभूषण जाधव को मौत की सजा देने के पीछे पाकिस्तान का मकसद ये है कि भारत भी लेफ्टिनेंट कर्नल हबीब के खिलाफ कार्रवाई की घोषणा करने को मजबूर हो। वहीं, पाकिस्तानी पक्ष का मानना है कि जाधव पर पाक कार्रवाई से पहले भारत ने हबीब को गिरफ्तार कर लिया, ताकि बातचीत के लिए मजबूर किया जा सके। दोनों ही पक्षों का आरोप हास्यास्पद लग रहा है, क्योंकि न तो भारत ने अभी तक इस बात की घोषणा की है कि किसी पाकिस्तानी अफसर को गिरफ्तार किया गया है, न ही पाकिस्तान इस बात का आरोप लगाया है कि भारत ने उसके किसी अफसर को पकड़ा है। अभी तक के सभी संकेत मीडिया रिपोर्ट से हैं। सोशल मीडिया पर कुछ पाकिस्तानी आरोप लगा रहे हैं कि भारत ने हबीब को इसलिए गिरफ्तार किया है, ताकि जाधव को छुड़ाने के लिए पाकिस्तान पर दबाव बनाया जा सके। नेपाल से पाकिस्तानी अधिकारी के अपहरण की खबर अभी पूरी तरह साफ भी नहीं हो पाई है कि पाकिस्तान ने भारतीय अधिकारी को सजा-ए-मौत सुना दी है। सोमवार को पाकिस्तानी सेना की कोर्ट ने जाधव को मौत की सजा सुनाई है। भारत ने पाकिस्तानी कार्रवाई पर कड़ा विरोध जताया है। विदेश मंत्रालय ने पाक उच्चायुक्त अब्दुल बासित को तलब किया। जाधव पर पाकिस्तान में रॉ के लिए काम करने का आरोप लगा था। उनको 3 मार्च, 2016 को बलूचिस्तान से गिरफ्तार किया गया था। कुछ पाकिस्तानियों का आरोप है कि 6 अप्रैल को नेपाल के लुंबनी से गायब हुए पाकिस्तानी सेना के अफसर लेफ्टिनेंट कर्नल मोहम्मद हबीब भारतीय जांच एजेंसियों की हिरासत में हैं। पाकिस्तानी सेना के रिटायर्ड अफसरों के एक व्हाट्सएप ग्रुप में हबीब की गुमशुदगी की चर्चा हुई। इसके बाद यह बात मीडिया में सामने आ गई। बताया जा रहा है कि 2014 में रिटायर्ड होने के बाद हबीब एक प्राइवेट फर्म के लिए काम करते थे। वह नेपाल में जॉब के सिलसिले में आए थे। उनके परिजनों की माने तो नेपाल आने के बाद हबीब ने एक सेल्फी भेजी थी। उन्होंने कहा था कि वह सुरक्षित नेपाल पहुंच गए हैं। हबीब ने पाकिस्तान के लाहौर से नेपाल के काठमांडु के लिए उड़ान भरी थी। इसके बाद वह भारतीय बॉर्डर पर स्थित बुद्धस्थल लुबंनी गए थे। इसके बाद से उनका कोई पता नहीं है। पाकिस्तान और भारत में तरह-तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। लेकिन कयासबाजी पर तब तक बल नहीं मिलेगा, जबतक कोई आधिकारिक घोषणा न हो।

मोदी राज में होगा...

सूचना प्रसारण मंत्रालय की ओर से एक पत्र जारी किया गया है, जिसमें कुल 804 पत्र-पत्रिकाओं की डीएवीपी मान्यता को रद्द किया गया है, इस लिस्ट में यूपी से भी 165 पत्रिकायें शामिल हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पत्र में बताया गया है कि अक्टूबर 2016 के बाद से इन पत्रिकाओं की कॉपी पीआईबी और डीएवीपी के ऑफिस में जमा नहीं कराया गया है। यह पहली बार है कि राष्ट्रधर्म पर इस प्रकार की कोई मुसीबत आई है। राष्ट्रधर्म पत्रिका की ओर से जारी बयान में इस कार्रवाई को पूरी तरह से अनुचित बताया गया है। राष्ट्रधर्म के प्रबंधक पवन पुत्र बादल के अनुसार अभी उनके पास इस बात की कोई जानकारी नहीं है, लेकिन अगर ऐसा होता है तो यह गलत है। उन्होंने बताया कि आपातकाल के दौरान इंदिरा गांधी सरकार ने हमारे कार्यालय को सील करवा दिया था, उस समय भी पत्रिका का प्रकाशन बंद नहीं हुआ था। उन्होंने कहा कि अगर किसी कार्यालय को कॉपी नहीं मिली है, तो उसे नोटिस देकर पूछना चाहिए था। बिना किसी नोटिस के कार्रवाई करना अनुचित है।

बिना कपड़ों के मिली थी इनकी बॉडी

पुणे। हिल स्टेशन लोनावला में 3 अप्रैल को आईएनएस शिवाजी के पास एक पहाड़ी पर हुई लोनावाला के कॉलेज में पढ़ने वाले दो स्टूडेंट्स की मर्डर की गुत्थी अब तक नहीं सुलझ पाई है। पुलिस अब तक इस मामले में 200 पेशेवर अपराधियों और करीब सौ स्टूडेंट्स से पूछताछ कर चुकी है। दोनों एक कई दोस्तों को हिरासत में लेकर भी घंटों पूछताछ कर चुकी है। लेकिन पुलिस के हाथ अभी भी खाली हैं।- लोनावला के सिंहगढ़ इंजीनियरिंग में पढ़ने वाले सार्थक और उसकी महिला फ्रेंड की लाश बुसी डैम के पास जंगल की झाड़ियों में मिली थी। पुलिस सूत्रों की मानें दोनों के मर्डर की तफ्तीश लूटपाट के बाद हत्या से शुरू हुई थी, फिर लव ट्राइंगल को भी खंगाला गया। मगर अब तक एक भी सुराग ऐसा सामने नहीं है, जो इस कत्ल की सही वजह तक उन्हें पहुंचा सके। अब पुलिस जल्द ही दोनों के परिवार वालों से पूछताछ करने वाली है। सूत्र बताते हैं की अब लोनावला पुलिस की तफ्तीश ऑनर किलिंग के आस-पास घूम रही है। पुलिस ये पता लगाने में जुटी है कि, कहीं दोनों के रिश्ते को लेकर परिवार में नारजगी तो नहीं थी।

मोदी राज में होगा 'अटल युग' का अंत, राष्ट्रधर्म पर मंडराने लगे संकट के बादल

केंद्रीय सूचना प्रसारण मंत्रालय ने राष्ट्रधर्म पत्रिका की डायरेक्टेट ऑफ एडवरटाइजिंग एंड विजुअल पब्लिसिटी की मान्यता को रद्द कर दिया है जिसके बाद यह पत्रिका केंद्र के विज्ञापनों की सूची से बाहर हो गई है। बता दें कि भाजपा के वरिष्ठतम नेता पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने 'राष्ट्रधर्म' पत्रिका को शुरू किया था लेकिन अब इस पर सकंट के बादल मंडराने लगे हैं।

राष्ट्रधर्म पत्रिका की शुरूआत 1947 में हुई थी, अटल बिहारी वाजपेयी इस पत्रिका के संस्थापक संपादक थे तो वहीं जनसंघ के संस्थापक पं. दीनदयाल उपाध्याय पत्रिका के संस्थापक प्रबंधक थे। इस पत्रिका का मकसद संघ के द्वारा राष्ट्र के प्रति लोगों के धर्म के बारे में जागरुक करने का था। सूचना प्रसारण मंत्रालय की ओर से एक पत्र जारी किया गया है, जिसमें कुल 804 पत्र-पत्रिकाओं की डीएवीपी मान्यता को रद्द किया गया है, इस लिस्ट में यूपी से भी 165 पत्रिकायें शामिल हैं।

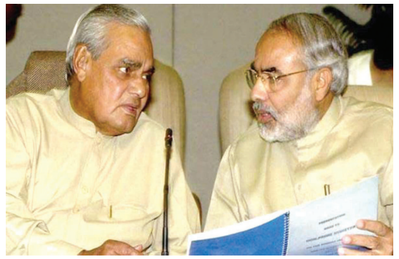

इसलिए रद्द की मान्यता

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पत्र में बताया गया कि अक्तूबर 2016 के बाद से इन पत्रिकाओं की कॉपी पीआईबी और डीएवीपी के ऑफिस में जमा नहीं कराया गया है।

सरकार की कार्रवाई अनुचित

राष्ट्रधर्म पत्रिका की ओर से जारी बयान में इस कार्रवाई को पूरी तरह से अनुचित बताया गया है। राष्ट्रधर्म के प्रबंधक पवन पुत्र बादल के अनुसार अभी उनके पास इस बात की कोई जानकारी नहीं है लेकिन अगर ऐसा होता है तो यह गलत है। उन्होंने बताया कि आपातकाल के दौरान इंदिरा गांधी सरकार ने हमारे कार्यालय को सील करवा दिया था, उस समय भी पत्रिका का प्रकाशन बंद नहीं हुआ था। उन्होंने कहा बिना किसी नोटिस के कार्रवाई करना अनुचित है।

तारीफ कर पलटा चीन, कहा - जहाज को बचाने में भारत का रोल नहीं

8 अप्रैल की देर रात अदन की खाड़ी में एक विदेशी व्यापारिक जहाज को लुटेरों से बचाने के मामले में चीन ने पलटी मारी है। चीन ने सोमवार को अपने बयान में कहा कि जहाज को चीन की नौसेना ने ही बचाया था, उसमें भारत की नौसेना का कोई रोल नहीं था। हालांकि रविवार को यह खबर आई थी कि दोनों देशों की नेवी ने सयुंक्त अभियान चलाकर उस जहाज को लुटेरों से बचाया था।

भारत ने मदद को भेजे अपने दो पोत

यह पोत मलेशिया में केलांग से यमन के तटीय शहर अदन की तरफ जा रहा था, जब इसे लुटेरों से घेर लिया। इस जहाज के मुश्किल में फंसने की खबर मिलते ही भारतीय नौसेना ने अपने जहाज-कठर मुंबई और कठर तर्कश को तुरंत मदद के लिए भेजा। उन्होंने उस जहाज को चारों ओर से घेर लिया और उसके कप्तान से संपर्क साधा।

भारतीय हेलीकॉप्टर ने चीनी सैनिकों को दिया एयर कवर

वहीं चीनी नौसेना का एक जहाज भी हरकत में आ चुका था। वहां पहुंचकर चीनी नौसेना की बोर्डिंग पार्टी जहाज पर गई। इस दौरान पता चला कि समुद्री डाकू खुद को घिरा हुआ देख रात के अंधेरे का फायदा उठाते हुए भाग

गए थे। भारतीय नौसना के प्रवक्ता कैप्टन डीके शर्मा ने कहा, समुद्री लूट के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय समुद्री सहयोग का प्रदर्शन करते हुए चीनी नौसेना की बोर्डिंग पार्टी व्यावसायिक पोत पर गई और उस दौरान इस अभियान को भारतीय हेलीकॉप्टर ने एयर कवर प्रदान किया।

जहाज के सारे लोग सुरक्षित

इस जहाज पर चालक दल के 19 सदस्य सवार थे जो सभी फिलीपिंस के नागरिक हैं। लूटेरों के हमले के समय इस जहाज के कप्तान ने नियमों के मुताबिक सभी सदस्यों के साथ खुद को स्ट्रॉन्ग रूम में बंद कर लिया था और वे सभी सुरक्षित हैं।

दोनों नौसेना ने की सराहना

इस अभियान के पूरा होने के बाद चीनी नौसेना ने इस सफल अभियान में भूमिका निभाने के लिए भारतीय नौसेना का शुक्रिया अदा किया। वहीं भारतीय नौसेना ने भी चीनी नौसेना की सराहना की है।

कैसे लुटरों से लड़ी इंडियन और चाइनीज नेवी?

सूत्रों के मुताबिक, लुटेरों का अलर्ट मिलते ही भारतीय नेवी ने अपना कठर ळं१ह्यंरॅ और कठर टर्ष्ठेऑपरेशन के लिए भेज दिया था। बता दें कि एडन खाड़ी देशों में लुटेरों का आतंक है। ऑपरेशन के दौरान पीएलए (चीनी सेना) के नेवी डिविजन से हवाई मदद मुहैया कराई गई।

नेवी में रहे हैं मतभेद

जापान और साउथ चाइना सी को लेकर दोनों देशों की नेवी में मतभेद रहे हैं। जापान के हिंद महासागर में ज्वाइंट ऑपरेशन में हिस्सा लेने के कारण चीन की नेवी भारत पर आरोप लगाती रही है। बता दें कि भारत की नेवी जापान के साथ हिंद महासागर में पिछले साल अभ्यास करते हुए नजर आई थी। इसके अलावा साउथ चाइना सी को लेकर इंडियन नेवी की अप्रोच को लेकर भी चीन आपत्ति जताता रहा है।

सुप्रिमो चषक- क्रिकेट टेनिस टूर्नामेंट को बॉलीवुड तथा दिग्गज खिलाड़ियों का साथ

सुनील शेट्टी,लालचंद राजपूत और धनराज पिल्लै रहे उपस्थित

हिन्दू ह्रदय सम्राट शिवसेना प्रमुख श्री बालासाहब ठाकरे को याद करते हुए, भारत का सबसे बड़ा टेनिस क्रिकेट टूर्नामेंट - महिमा और ग्लैमर का एक दुर्लभ संयोजन रहा । सुप्रीमो चषक टेनिस क्रिकेट टूर्नामेंट का आगाज ९ अप्रैल २०१७ को रविवार को एमसीए क्लब, बांद्रा में हुआ, जिसमें बॉलीवुड अभिनेता श्री सुनील शेट्टी , पूर्व क्रिकेटर श्री लालचंद राजपूत, पूर्व हॉकी प्लेयर धनराज पिल्लै, एवं कई अतिथियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई जैसे - श्री संजय पोटनीस एवं श्री अनिल परब और कई दिग्गज जो टूर्नामेंट को सपोर्ट करने कायक्रम में पहुंचे और साथ ही खेल प्रतियोगिता में विजेता के टीम के लिए १० लाख रुपये की ट्रॉफी, टीशर्ट और पुरस्कार राशि का एलान किया , मैन ऑफ द सीरीज को मारुति ऑल्टो कार से पुरुष्कृत किया जायगा

सुप्रीमो चषक टेनिस क्रिकेट टूर्नामेंट मे 16 (16) टीमें- अर्जुन संगठना - बोरबरी - नागपुर, दहिसर बोयस - दहिसर, एकता गुजरात - गुजरात, किरण इलेवन (सैंडी एस पी) - शिरावने , मराठा पंजाब (विजेता) - भिवंडी, राजेंद्र स्पोर्ट्स - सांताक्रूज, सारा इंडिया - कोलकाता, शांतिरत्न इलेवन - पुणे, स्टार सीसी - दांडी - पालघर, तिरुपति सावर्डे - चिपलुन, ट्रिडेंट (उमर इलेवन) - नवी मुंबई, यूएस इलेवन - मुंबई, वैष्णवी कोलाड - रायगढ़, विक्रोळी क्रिकेट क्लब - विक्रोळी, यश बिस्या लायंस - छत्तीसगढ़ शामिल है। खेल के प्रतियोगी अनुकूल नियमों के अनुसार प्रतिस्पर्धा करेंगे। श्री संजय पोटनीस और श्री अनिल परब का कहना है, यह भारत का सबसे ज्यादा लोकप्रिय खेल है। भारतीय टेनिस क्रिकेट एक बड़ा नाम है , जिसमे युवा खिलाड़ियों को अपना हुनर दिखाने का मौका मिलता है। यह एक नव उभरता हुआ टूर्नामेंट है, निश्चित रूप से, खुद को स्थापित करने के लिए कुछ समय चाहिए। सुप्रीमो चषक टूर्नामेंट पुरे देश के अलग-अलग स्थानों से खिलाडियों को एक साथ जोड़ता है। यह सुप्रीमो फाउंडेशन के तहत एक पहल है जिसने कई कैंसर के मरीजों के इलाज में मदद के साथ-साथ बच्चों को खेल में अपने कौशल का विकास करने में मदद की है। हम इस टूर्नामेंट को लेकर बहुत उत्साहित है ।

कॉमनवेल्थ गेम्स घोटाला: PAC ने मनमोहन सिंह को ठहराया जिम्मेदार

पब्लिक अकाउंट्स कमिटी ने 2010 के कॉमनवेल्थ खेलों की रिपोर्ट को स्वीकार कर लिया है। इसमें मनमोहन सिंह की आलोचना की गई है कि उन्होंने कलमाड़ी को अपने हिसाब से फैसले लेने दिए और इसके चलते इन खेलों में घोटाले हुए। रिपोर्ट में कहा गया कि राष्ट्रीय महत्व से जुड़े प्रोजेक्ट में प्रधानमंत्री कार्यालय को जिम्मेदारी बदलने के बजाय प्रभावी फॉलो अप पर ध्यान देना चाहिए। प्रधानमंत्री कार्यालय का यह कहना है कि कैबिनेट सचिव जिम्मेदारी तय करने में नाकाम रहे और वह राजनीतिक दबाव में झुक गए। इस रिपोर्ट को लेकर सभी पार्टियों ने सहमति जताई है।

नए सिरे से होगी जांच

भाजपा नेता मुरली मनोहर जोशी की अध्यक्षता वाली पीएसी कॉमनवेल्थ खेलों में हुई अनियमितताओं को लेकर दायर की गई कैग रिपोर्ट की जांच कर रही है। कमिटी ने सीबीआई से घोटाले के बंद किए गए मामलों में नए सिरे से जांच शुरू करने को कहा है। सीबीआई ने कलमाड़ी और उनके करीबी लोगों पर 33 केस दर्ज किए थे। हाल ही में कांग्रेस नेता केवी थॉमस की अध्यक्षता में पीएसी की बैठक में रिपोर्ट को स्वीकार कर लिया गया। मोदी सरकार के आने के बाद से यह रिपोर्ट रूकी हुई थी लेकिन अब इसे अपना लिया गया है।

छह मामले फिर से खोलने का आदेश

कमिटी ने कलमाड़ी को ऑगेर्नाइजिंग कमिटी का चेयरमैन बनाए जाने के निर्णय की भी आलोचना की। कमिटी ने सीबीआई से छह मामलों में जांच को फिर से शुरू करने को कहा है। कॉमनवेल्थ गेम्स में काफी वित्तीय अनियमितताओं के मामले सामने आए थे। इन आरोपों में सुरेश कलमाड़ी को जेल भी जाना पड़ा था। दिल्ली की तत्कालीन मुख्यमंत्री शीला दीक्षित पर भी इन आरोपों के छीटें लगे थे।

आडवाणी का छलका दर्द, बोले- 'दुख है कि जिस सिंध में पैदा हुआ, वो भारत का हिस्सा नहीं'

बीजेपी के सीनियर नेता लाल कृष्ण आडवाणी ने कहा कि उन्हें अफसोस है कि वो जिस सिंध में पैदा हुए, वो भारत का हिस्सा नहीं है और सिंध के बिना भारत अधूरा लगता है। आडावणी ने ये बात बांग्लादेश की पीएम शेख हसीना के सामने एक कार्यक्रम में कही। अपना दुख व्यक्त करते हुए आडवाणी ने कहा, मैं नहीं जानता कि आप में से कितनों को इस सच्चाई का सामना है। लेकिन मैं जब वास्तविकता को सोचता हूं तो दुख होता है। अपने पैतृक भूमि से दूर रहने और दूसरे देश का हिस्सा बन जाने पर आडवाणी ने

कहा, जब भारत को आजादी मिली, जब हमें आजादी मिली, तब सिंध हमसे अलग हो गया। सिंध, भारत का हिस्सा नहीं है, यह मेरे साथ-साथ उन सभी को दुखी करता है, जो कभी वहां रहे।आडवाणी ने आगे कहा, सिंध अविभाजित भारत का हिस्सा था, जब यह स्वतंत्र नहीं था और ब्रिटेन का उपनिवेश था। मैंने उसी भाग में जन्म लिया, मेरा वहां घर था। अपनी मिट्टी से दूर रहने और वहां अपने बिताए दिन को दुखी मन से याद करते हुए उन्होंने कहा, तब मुझे काफी दुख हुआ था कि कराची और सिंध भारत का हिस्सा नहीं बना। मैं बचपन से ही आरएसएस में सक्रिय रहा हूं। ये दुख की बात है। मैं समझता हूं कि सिंध के बिना भारत अधूरा लगता है। आडवाणी का जन्म कराची में हुआ। उनके परिवार का वहां कारोबार था। उन्होंने अपनी प्राथमिक शिक्षा कराची के सेंट पैट्रिक हाई स्कूल से ली।

सीरिया: तीसरे विश्वयुद्ध की ओर बढ़ रही है दुनिया? जानें कौन देश किसके साथ

सीरिया में केमिकल हमले के बाद दुनिया की दो महाशक्तियां फिर आमने-सामने है। सीरिया की असद सरकार के बचाव के लिए रूस ने अपना एक जंगी पोत भी सीरिया भेज दिया है। वहीं अमरीका के विदेश मंत्री रेक्स टिलरसन ने सीरिया में विद्रोही ठिकानों पर हुए रासायनिक हमले के लिए रूस को ज़िम्मेदार ठहराया है। उन्होंने कहा कि रूस इस बात पर सहमत हुआ था कि वह आश्वस्त करेगा कि सीरिया के रासायनिक हथियारों का जखीरा खत्म हो जाए लेकिन ऐसा नहीं हुआ। दुनिया की इन दो बड़ी शक्तियों के आमने-सामने आ जाने के बाद ये कयास लग रहे हैं कि क्या दुनिया तीसरे विश्वयुद्ध के मुहाने पर है। अगर ऐसी स्थिति आती है तो कौन देश किसके साथ होगा ये सवाल भी कौंध रहा है।

अमेरिका के साथ कौन-कौन से देश?

सीरिया में जब 6 साल पहले अरब स्प्रिंग के प्रभाव में विद्रोह शुरू हुए थे तभी से अमेरिका असद विरोधी समूहों के पक्ष में खड़ा हो गया था। अरब का मामला है तो उसके पक्ष में सबसे पहले खड़ा दिखता है इस्राइल। इसके अलावा नैटो के सहयोदी देश- ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी समेत कई देश अमेरिका के साथ हर अंतरराष्ट्रीय मामले पर साथ दिखते हैं। वहीं सीरिया का पड़ोसी देश तुर्की पहले से ही अमेरिका के साथ है। सीरिया बॉर्डर पर रूसी विमान के मार गिराने के कारण रूस के तुर्की का तनाव पहले से ही बढ़ा हुआ है। अमेरिका के सहयोगी ग्रुप-7 के सदस्य देशों के विदेश मंत्री इटली में मुलाकात कर रहे हैं। इस मीटिंग में इस बात पर चर्चा की जाएगी कि रूसी सरकार पर सीरियाई राष्ट्रपति बशर-अल-असद से दूरी बनाने का दबाव किस तरह बनाया जाए।

ब्रिटेन-

ब्रिटेन की सरकार ने अमेरिकी हमले का पूरा समर्थन किया है। ब्रितानी रक्षा मंत्री माइकल फैलन ने अमरीकी कार्रवाई को सही और सीमित बताया।

तुर्की

तुर्की के राष्ट्रपति तैयप अर्दोआन ने अमरीकी कार्रवाई को सीरिया में हो रहे कथित युद्ध अपराध का सही जवाब बताया है।

इस्राइल-

इस्राइल के प्रधानमंत्री बेन्यामिन नेतन्याहू ने एक बयान जारी कर अमरीकी कार्रवाई का पूरा समर्थन किया।

फ्रांस-

फ्रांस वैसे अमेरिका के साथ खड़ा दिखता है लेकिन सीरिया में इसकी स्थिति पशोपेश वाली है। पेरिस में हुए आतंकी हमलों के बाद फ्रांस के युद्धक विमानों ने सीरिया में आईएसआईएस के ठिकानों पर बमबारी की थी लेकिन रूस के साथ तनाव की स्थिति में फ्रांस अमेरिका के साथ ही खड़ा होगा।

सऊदी अरब-

अमेरिका की ही तरह सुन्नी बहुल खाड़ी देश सऊदी अरब भी किसी भी कीमत पर असद को हटाने पर अड़ा है। 2013 में जब असद पर रासायनिक हथियारों के इस्तेमाल का आरोप लगा था तब सऊदी अरब चाहता था कि अमेरिका हस्तक्षेप करे। अमेरिका द्वारा ऐसा न करने पर सऊदी अरब नाराज था, हालांकि अब ये देश अमेरिका के नेतृत्व में आईएसआईएस के खिलाफ अभियान में शामिल है।

रूसी खेमे में कौन-कौन से देश शामिल

रूस, ईरान और सीरिया की सरकार अगले अमरीकी हवाई हमले की स्थिति में जवाब देने की मुद्रा में दिख रही है। अमेरिका बीते हफ्ते सीरिया के एयरबेस पर हमला कर चुका है। अमरीकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप अपने एक भाषण में सीरियाई राष्ट्रपति को तानाशाह तक कह चुके हैं। सीरियाई सरकार के मुख्य सैन्य सहयोगी रूस ने इन हमलों को अंतरराष्ट्रीय मानदंडों का उल्लंघन करने वाली और मनगढ़ंत आधार पर की गई आक्रामक कार्रवाई बताया। रूसी सरकार के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोफ ने अमरीका और रूस के पहले से खस्ताहाल संबंधों के गंभीर रूप से बिगड़ने की चेतावनी दी। हालांकि, रूस की संसद ड्यूमा ने संकेत दिए हैं कि अमरीकी कार्रवाई के बाद रूस अपने हमले तेज नहीं करेगा।

ईरान-

सीरिया के राष्ट्रपति बशर अल असद के समर्थक ईरान ने अमरीकी कार्रवाई की कड़ी आलोचना की है।

इन देशों की स्थिति अभी स्पष्ट नहीं

चीन

चीनी सरकार ने सीरिया में बिगड़ते हालात पर चिंता जताई है। चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता ने कहा कि किसी देश, संस्था, व्यक्ति की तरफ से किसी भी हालत में रासायनिक हथियारों के इस्तेमाल का चीन विरोध करता है लेकिन सबसे जरूरी है कि सीरिया की हालत को और न बिगड़ने दिया जाए।

भारत

भारत ने सीरिया मामले पर कोई स्पष्ट रुख तो नहीं दिखाया है क्योंकि अमेरिका के साथ भी भारत के अच्छे रिश्ते हैं और रूस सबसे अहम सहयोगी है। वहीं सीरिया के साथ भी भारत के परंपरागत संबंध रहे हैं। हालांकि, भारत ने सीरिया, लीबिया जैसे देशों में अपने नागरिकों के जाने पर ट्रैवल एजवाइजरी जारी की है। भारत अमेरिका और सोवियत संघ के बीच शीत युद्ध के काल में भी तटस्थता की नीति को अपनाता रहा और किसी भी गुट में शामिल नहीं हुआ था।

...तो अब Sunday को नहीं मिलेगा पेट्रोल, 10 मई के बाद हर रविवार बंद रहेंगे पेट्रोल पंप

पेट्रोल जीवन की ऐसी आवश्यकता बन गई है जिसके बिना जीवन के बारे में सोचा भी नहीं जा सकता, और इसका एहसास पेट्रोल पंपों की हड़ताल के दौरान होता भी रहता है। लेकिन अब ऐसा काम होने जा रहा है जिससे उपभोक्ताओं की तकलीफों में इजाफा होने जा रहा है।

कंसोरटियम ऑफ इंडियन पेट्रोलियम डीलर्स यानी सीआईपीडी ने 10 मई के बाद प्रत्येक रविवार को पेट्रोल पंप बंद रखने का ऐलान किया है। तेल कंपनियों की लगातार अनदेखी से गुस्साए कंसोरटियम ऑफ इंडियन पेट्रोलियम डीलर्स यानी सीआईपीडी ने 10 मई के बाद प्रत्येक रविवार को पेट्रोल पंप बंद रखने का ऐलान कर दिया है।

यह फैसला रविवार को कुरुक्षेत्र में आयोजित हुई सीआईपीडी की बैठक में लिया गया। नवंबर 2016 में

मुंबई और मार्च 2017 में दिल्ली में तीनों तेल कंपनियों के अधिकारियों के साथ हुई बैठक में समस्याओं का समानाधान ने निकलने पर सीआईपीडी ने कुरुक्षेत्र में बैठक बुलाई थी।

सीआईपीडी के राष्ट्रीय एडी सत्यानारायणन ने कहा कि साल 2011 से तेल कंपनियां पंप मालिकों को मार्जिन नहीं दे रही है, जिससे पंप संचालक घाटे में जा रहे हैं। इससे बचने के लिए उन्होंने समय-समय पर मार्जिन दिए जाने की मांग की, लेकिन अधिकारी लगातार अनदेखी करते आ रहे हैं।

इतना ही नहीं यदि इसके बाद भी पेट्रोलियम कंपनियां इसके बाद भी उनकी सुध नहीं ली तो पेट्रोल पंपों को रात में भी बंद रखा जाएगा। इस फैसले के लागू होने के बाद देशभर में करीब 53000 पेट्रोल पंपों पर केवल दिन के समय ही पेट्रोल और डीजल मिल सकेगा।

उधर, ये निर्णय लागू होता है तो इससे सबसे ज्यादा मुश्किल आम लोगों को होगी। माना जा रहा है कि इससे पेट्रोल पंपों पर भीड़ तो बढ़ेगी ही साथ ही रविवार के दिन पेट्रोल या डीजल खत्म होता है तो उन्हें अगले दिन तक का इंतजार करना होगा। सीआईपीडी के इस निर्णय के बाद पेट्रोलियम कंपनियों की प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

ब्रिटेन-चीन के बीच चलेगी ये पहली रेल , जोड़ेगी 7 देशों की अर्थव्यवस्था

ब्रिटेन से चीन के बीच पहली मालगाड़ी आज से एसेक्स से रवाना होगी। यह मालगाड़ी 7500 मील की दूरी तय करेगी और 17 दिन बाद चीन के झेजियांग शहर के यीवू शहर पहुंचेगी। इसमें 30 डिब्बे हैं जिनमें व्हिस्की, सॉफ्ट ड्रिंक, विटामिन औरदवाइयां हैं। यह मालगाड़ी फ्रांस, बेल्जियम, जर्मनी, पोलैंड, बेलारुस, रूस और कजाखस्तान से होकर गुजरेगी। यह सेवा चीन के प्राचीन सिल्क रूट को फिर से पुनर्जीवित करने का प्रयास है। इसकी शुरूआत के रूप में तीन महीने पहले चीन से ब्रिटेन मालगाड़ी गई थी। चीन से गई मालगाड़ी में घरेलू जरुरतों को सामान, कपड़े, सूटकेस और बैग्स थे। अभी दोनों देशों के बीच अगर समुद्री रास्ते से सामान भेजा जाता है तो इस मालगाड़ी तुलना में दुगुना समय लगता है। लंदन यूरोप का 15वां शहर है जिससे चीन का रेलमार्ग से संपर्क हुआ है। बता दें कि 2000 साल पहले सिल्क रूट के जरिए पश्चिम और पूर्व के बीच कारोबार होता था। यूरोप और चीन के बीच साल 2016 में 40 हजार कंटेनर सामान का आयात और निर्यात हुआ था। 2020 तक इसे एक लाख कंटेनर करने का लक्ष्य रखा गया है। यूरोप के कई देशों को चीन रेलमार्ग से साल 2011 से ही सामान भेज रहा है। लेकिन इंगलिश चैनल को उसने इसी साल पार करना शुरू किया है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

पटना राजधानी एक्सप्रेस में लूट, ट्रेन का एस्कॉर्ट दस्ता निलंबित

पटना। बापू के चित्र पर पुष्पांजलि देने के साथ ही चंपारण सत्याग्रह शताब्दी समारोह का शुभारंभ पटना के सम्राट अशोक कन्वेंशन सेंटर के ज्ञान भवन में हो गया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मंच पर गोपालकृष्ण गांधी, चंद्रशेखर धर्माधिकारी, प्रेरणा देसाई, मेधा पाटेकर, रजी अहमद, राजेंद्र सच्चर, सच्चिदानंद, टी सुब्बा राव, नीतीश कुमार, तेजस्वी व अशोक चौधरी भी मौजूद हैं। मंच पर एक नील का पौधा रखा है। महात्मा गांधी के पहले सत्याग्रह के 100 साल पूरे होने पर सोमवार से चंपारण सत्याग्रह शताब्दी समारोह की शुरूआत हुई है। यह समारोह एक साल तक चलेगा और 20 अप्रैल, 2018 को इसका समापन होगा। आज से दो दिनों तक ह्यराष्ट्रीय विमर्श होगा। विमर्श में गांधीजी की स्मृतियों को ताजा किया जाएगा।राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी भी 17 अप्रैल को शताब्दी समारोह के कार्यक्रम में शिरकत करेंगे और देश की आजादी में योगदान देने वाले स्वतंत्रता सेनानियों को सम्मानित करेंगे। 11 अप्रैल को मुजफ्फरपुर में चंपारण सत्याग्रह स्मृति समारोह का आयोजन किया जायेगा। इसमें महात्मा गांधी को जिस प्रकार गाड़ी में बैठा कर खींचा गया था, उसे नाट्य रूपांतरण के जरिये दिखाया जायेगा। समारोह में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी शामिल होंगे।जन शिक्षा निदेशालय के 124 कला जत्थे भी अगले एक साल तक पंचायतवार नुक्कड़ नाटक और गीतों का कार्यक्रम करेंगे। नाटक व गीतों के जरिये गांधी के विचारों को जन-जन तक पहुंचाया जायेगा। इसके अलावा सूचना व जनसंपर्क विभाग शताब्दी समारोह को लेकर मल्टीमीडिया वैन भी चलायेगा, जो जिला व अनुमंडलों में जायेगा। ऐसे वैन में टीवी, सीडी समेत गांधी के विचारों के कोटेशन लगे होंगे। इन वैन के जरिये जगह-जगह पर गांधी पर बनी डॉक्यूमेंट्री दिखायी जाएगी। पर्यटन विभाग तिरहुत प्रमंडल में जहां-जहां गांधी गये थे, वहां शिलालेख लगवायेगा, जबकि कला, संस्कृति व युवा विभाग फिल्म फेस्टिवल का आयोजन करेगा।

वंदे मातरम्न गाने वालों को आज मिलेगी चेतावनी

मेरठ। के नगर निगम में वंदे मातरम्न गाने वालों को आज मिलेगी चेतावनी मेरठ सोमवार को नगर निगम की कार्यकारिणी की बैठक में कार्यकारिणी उपाध्यक्ष का चुनाव होगा तथा वार्षिक बजट पर चर्चा होगी। लेकिन उससे पहले वंदेमातरम् के मुद्दे पर बैठक में हंगामा हो सकता है। महापौर ने कहा है कि कार्यकारिणी सदस्यों को वंदेमातरम् की गरिमा का पालन करना होगा। वंदेमातरम् न गाने वालों को पहले चेतावनी दी जाएगी। नगर निगम की कार्यकारिणी की आज होने वाली बैठक में वंदेमातरम् फिर से हंगामा करा सकता है। बैठक तो कार्यकारिणी उपाध्यक्ष के चुनाव तथा बजट पर चर्चा के लिए है। लेकिन उससे पहले बैठक की शुरूआत में ही वंदेमातरम् पर विवाद हो सकता है। महापौर हरिकांत अहलूवालिया का कहना है कि निगम बोर्ड के सभी सदस्यों को वंदेमातरम् की गरिमा का पालन करना होगा। सोमवार की बैठक में यदि कोई सदस्य वंदेमातरम् नहीं गाता है अथवा बैठक से बाहर जाता है तो उसे पहले चेतावनी दी जाएगी। यदि सदस्य नहीं मानता है तो उसके विरुद्ध कोई निर्णय लिया जा सकता है।

यह भी पढ़ें: राज्यपाल ने कहा, वंदेमातरम का गायन नागरिकों का राष्ट्रधर्म तो भाजपा का होगा उपाध्यक्ष?: कार्यकारिणी सदस्यों की संख्याबल को देखते हुए माना जा रहा है कि इस बार भी निगम कार्यकारिणी का उपाध्यक्ष भाजपा का ही हो सकता है। कार्यकारिणी के 12 सदस्य हैं। जिनमें से छह भाजपा के है तथा छह अन्य सभी दलों के हैं। यदि मतदान होता है तो अध्यक्ष के रूप में महापौर भी मतदान करेंगे। यदि पूरा विपक्ष एकजुट हो जाता है तो भी भाजपा का यह सातवां वोट उसे जीत दिला सकता है।

शराब के विरोध में महिलाओं ने घेरा थाना

इलाहाबाद। हाईवे से हटाकर बस्ती के बीच और स्कूल के पास शिफ्ट की गई शराब की दुकानों के विरोध में रविवार रात महिलाओं ने नैनी थाना घेर लिया। नारेबाजी करते हुए महिलाओं ने तत्काल दुकान पर ताला लगाने की मांग की और ऐसा नहीं होने पर तोड़फोड़ की चेतावनी दी।हालांकि पुलिस ने उन्हें किसी तरह समझा बुझाकर शांत कराया और उच्चाधिकारियों से वार्ता करके दुकान स्थानांतरित करने का आश्वासन दिया। दरअसल नगर निगम कार्यालय अशोक टाकीज के समीप अंग्रेजी शराब की नई दुकान खोली गई है। दुकान बस्ती के बीच है और कुछ ही दूर पर राधारमण इंटर कॉलेज है। ऐसे में स्थानीय महिलाओं ने विरोध करते हुए रविवार दोहपर दुकान बंद करा दी। दुकानदार की शिकायत पर शाम को पुलिस बस्ती में पहुंच गई और विरोध करने वाली महिलाओं से पूछताछ शुरू की। इससे महिलाएं आक्रोशित हो गईं तो सिपाही चले गए। कुछ देर बाद दर्जनों महिलाएं नैनी थाने पहुंच गईं और घेराव करते हुए हंगामा कर दिया। उधर, जंघई स्थित तीन शराब की दुकानों पर शनिवार को हुई तोड़फोड़ के मामले में सरायममरेज पुलिस ने एक दर्जन युवकों के खिलाफ नामजद व तीन महिलाओं समेत 20 अज्ञात युवकों के खिलाफ गंभीर धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की है। शनिवार को महिलाओं ने विरोध प्रदर्शन करते हुए दुकान में तोड़फोड़ करते हुए आगजनी की कोशिश की थी। झड़प के दौरान पुलिस ने कई महिलाओं की पिटाई भी की थी। पुलिस का कहना है कि सेल्समैन गौरीशंकर की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है।

यह भी पढ़ें: प्रदेश सरकार कर रही शराब माफिया का समर्थन: किशोर उपाध्याय

वहीं नारीबारी के सुरवल चंदेल गांव में खोली गई दुकान को लेकर स्थानीय लोगों में अभी गुस्सा थमा नहीं है। रविवार को भी महिलाओं के साथ बच्चों ने भी दुकान के विरोध में प्रदर्शन किया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने उन्हें समझाया, लकिन महिलाओं ने स्पष्ट तौर पर कहा कि यदि 10 दिनों के भीतर दुकान दूसरी जगह नहीं खुलती है, तो हाईवे पर जाम लगाएंगी।

गया में युवक का जला शव मिलने से सनसनी

गया। जिले के माली बगीचा के कंपाउंड से आज अहले सुबह एक युवक की जली हुई लाश बरामद हुई है। शव बरामद होने के बाद पूरे इलाके में सनसनी मची हुई है। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोग आक्रोशित हो गए हैं और आगजनी, हंगामा कर सड़क जाम कर पुलिस के खिलाफ नारेबाजी कर रहे हैं। मृतक की पहचान धर्मेंद्र के रूप में की गई है, जो घटनास्थल से कुछ ही दूर पर रहता था। युवक शादीशुदा था और एक ब्च्चे का पिता भी बताया जा रहा है। वह पास ही ठेले पर चाउमीन बेचकर अपने परिवार का भरण-पोषण करता था। साथ ही कभी-कभी ड्राइवर की नौकरी भी कर लेता था। मृतक की पत्नी ने बताया कि कल उसने ठेला भी नहीं लगाया। रात में अचानक एक फोन आया और वह मेडिकल जा रहा हूं, कहता हुआ निकल गया। रात में जब नहीं लौटा तो पत्नी को चिंता हुई। वह इंतजार कर ही रही थी कि पास के ही माली बागान में जला शव मिलने की बात सुनी, जाकर देखा तो उसके होश उड़ गए। यह शव उसी के पति की थी। महिला का रो-रोकर बुरा हाल है। इधर, जिले में बेलगाम हो चुके अपराधी लगातार घटनाओं को अंजाम देकर पुलिस को चुनौती दे रहे हैं। लगातार हो रही घटनाओं ने गया पुलिस को बैकफुट पर लाकर खड़ा कर दिया है। जिले में गत 10 दिनों में हुई 10 हत्याओं ने पुलिसिया कार्यशैली पर प्रश्नचिह्न खड़ा कर दिया है।

इनमें से दो अलग-अलग दंपती हत्याकांड जिले में चर्चा का विषय बना हुआ है। हालांकि इनमें से वृद्ध दंपती हत्याकांड के मामले में छह लोगों को हिरासत में लेकर पुलिस पूछताछ कर रही है। जबकि पाठक दंपती हत्याकांड में पुलिस के हाथ खाली है। अपराधी पुलिस की पकड़ से बाहर है। - 5 अप्रैल को परैया थाना क्षेत्र के ईश्वरपुर गांव निवासी मनीष पाठक उर्फ बबलू पाठक व उनकी पत्नी मंजू देवी की देर रात्रि घर में ही गला रेतकर निर्ममतापूर्वक हत्या कर दी गई। -8 अप्रैल को कोंच थाना क्षेत्र के निमड़ी गांव निवासी 45 वर्षीय भोला सिंह की सिंदुआरी पुल के समीप पूर्व से घात लगाए अपराधियों ने रोड़े व पत्थर से पीट-पीटकर हत्या कर दी। - 8 अप्रैल को ही टिकारी थाना क्षेत्र के गंगासागर गांव निवासी अजीत कुमार ने अपनी 15 माह की मासूम बच्ची लक्ष्मी की कुएं में फेंक कर हत्या कर दी। - 5 अप्रैल की देर रात्रि वजीरगंज थाना क्षेत्र के कुर्किहार गांव में शौच के लिए जा रही 15 वर्षीय ममता कुमारी की अपराधियों ने उसी के दुपट्टा से गला दबाकर हत्या कर दी।

सोमवार आते ही क्यों पानी-पानी हो जाती हैं यहां की लड़कियां

भारत में सोमवार के प्रति लोगों की अलग-अलग धारणायें हैं। काम पर जानेवालों के लिये यह आलस्य भरा दिन होता है। रविवार को छुट्टी के बाद अगले दिन ऑफिस जाते वक्त लगता है जैसे मन पर कोई बोझ हो! वहीं व्रत रखनेवाली लड़की और महिलाओं के लिये यह त्रिशूलधारी शिव का दिन होता है। इस दिन शिव भक्त एकत्रित हो शिव महिमा की चर्चा करते हैं। सावन के सोमवार का महत्व शिव भक्तों के लिये और विशिष्टद्द स्थान रखता है।सोमवार को जो मनोदशा कर्मचारियों की होती है लगभग वैसी ही स्कूल जाने वाले बच्चों की भी होती है। लेकिन मध्य यूरोपीय देशों जैसे पॉलैंड, चेक गणराज्य और पूर्वी यूरोप के देश यूक्रेन में इस सोमवार का अलग महत्व है। यूक्रेन के लड़के उस विशिष्टद्द? सोमवार को लड़कियों के ऊपर पानी फेंक उन्हें सिर से लेकर पैर तक भिगो देते हैं। वहाँ ईसाई धर्म के मुख्य धर्म बन जाने पर 'वेट मंडे' को ईसाईयों की एक रस्म के तौर पर अपना लिया गया है। वेट मंडे का संबंध पाप को धोने से है। ईस्टर के दसूरे दिन लड़के बोतल और बाल्टियों में पानी भरकर लड़कियों का पीछा करते हैं और उन पर पानी उड़ेलते हैं। मूल परम्परा के अनुसार गॉव की सबसे सुंदर लड़की को भिगोया जाता है. हालांकि वर्तमान प्रचलन है कि लड़के किसी भी लड़की का पीछा कर उन्हें भिगोते हैं। ऐसा करते समय कई बार वो बाल्टियां कार के शीशे पर फेंक देते हैं। वैश्विक स्तर पर जल की कमी के बावजूद यूक्रेन के युवक बेफिक्र होकर इस पुरानी परम्परा की आड़ में जल बर्बाद करते है। इस सोचनीय स्थिति पर सफलता पाने के लिये युवकों को इस पुरानी परम्परा को समाप्त करने के विषय में सोचना चाहिये।

54 सदस्यों का है ये अनोखा परिवार, रोज सोने से पहले की जाती है गिनती

आज कल के लाइफस्टाइल में संयुक्त परिवार के साथ चलना अब सबके बस की बात नही इसलिए छोटे परिवारों का चलन बढ़ता जा रहा है। जबकि पहले ऐसा नही था लोग संयुक्त परिवारों में रहना ही अपनी शान समझते थे। आज हम आपको एक ऐसे ही अनोखे परिवार के बारे में बता रहे हैं जिसके सदस्यों की संख्या 54 है। आपको सुनकर आश्चर्य होगा कि यहां सोने से पहले हर रात सदस्यों की गिनती की जाती है। आइये अब आपको इस परिवार के बारे में बताते हैं, छत्तीसगढ़ के बलौदा बाजार जिले के ग्राम पंचायत दशरमा में एक साहू परिवार पिछली छह पीढ़ी से एक साथ रहता आ रहा है। इस परिवार केसदस्यों का आपसी प्रेम ही है जो इनको एकता में बांधे हुए है। इस परिवार में 15 महिलाएं अलग-अलग घरों से बहू के रूप में आई हैं, लेकिन इनके बीच कभी आपसी मतभेद देखने को नहीं मिला। इस परिवार की सबसे दिलचस्प बात ये है कि दिन बीत जाने पर रात में परिवार के सभी लोगों की गिनती की जाती है। इस घर में 25 छोटे-बड़े बच्चे हैं जो अभी पढ़ते हैं।

मुंबई हलचल राशिफल

आचार्य परमानंद शास्त्री

मेष
जोखिम न उठाएं। चोरी-चोट इत्यादि से हानि-कष्ट हो सकता है। शाम के पश्चात समय सुधरेगा, धैर्य रखें। समय पर काम पूरे होंगे।

सिंह
पराक्रम वृद्धि होगी, लेकिन लाभ के अवसर हाथ से निकलेंगे। चोरी-चोट इत्यादि से बचें। जोखिम न उठाएं। व्यावसायिक कामों में वांछित प्रगति होगी।

धनु
जोखिमभरे कार्य टालें। विवाद से बचें। व्यापार धीमा चलेगा। यात्रा में हानि-नुकसान हो सकता है। धीरज रखें। पिता से व्यावसायिक मार्गदर्शन मिल पाएगा।

वृष
पराक्रम वृद्धि होगी। लाभ-प्रतिष्ठा के अवसर बनेंगे। परीक्षा, इंटरव्यू, निवेशादि में सफलता मिलेगी। श्रेष्ठजनों से मदद मिलेगी।

कन्या
शारीरिक कष्ट हो सकता है। व्यय बढ़ेगा। हानि-दुर्घटना से बचें। धनागम होगा। यात्रा लाभदायक होगी। परिवार की परेशानी दूर होगी।

मकर
यात्रा में हानि हो सकती है। प्रेम-प्रसंगों में सावधानी रखें। राजकीय कार्यों में गति आएगी। धन लाभ हो सकता है। नई योजनाएं बनेंगी।

मिथुन
संतान पक्ष की चिंता होगी। शुभ समाचार मिल सकते हैं। निवेश, व्यापार से लाभ होगा। शत्रु शांत रहेंगे। व्ययों में कमी करना जरूरी है।

तुला
हानि-कष्ट इत्यादि की संभावना है। मूल्यवान वस्तु चोरी हो सकती है। जोखिमभरे कार्य न करें। शत्रु परेशान करेंगे।

कुंभ
दुष्टजन कष्ट पहुंचा सकते हैं। विवाद से बचें। जोखिम बिलकुल न उठाएं। संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। पिता से व्यावसायिक मार्गदर्शन मिल पाएगा।

कर्क
पराक्रम वृद्धि से लाभ के अवसर बढ़ेंगे। निवेशादि लाभ देंगे। परीक्षा, साक्षात्कार में सफलता मिलेगी। यात्रा होगी।

वृश्चिक
धार्मिक स्थान के दर्शन हो सकते हैं। राजकीय कार्य होंगे। व्यापार, निवेशादि से लाभ होगा। जीवनसाथी की चिंता होगी। प्रगतिवर्धक समाचार मिलेंगे।

मीन
प्रगतिवर्धक समाचार मिलेंगे। विरोध होगा। शुभ समाचार मिलेंगे। विद्यार्थी वर्ग को सफलता मिलेगी। व्यापार, नौकरी, निवेश से लाभ होगा।

मुंबई हलचल सुडोकू-110

8		5	9		6			7
	9	3				5		6
	4						2	
				4				5
	3	8		9		7		
7		9			1	3		
				1	9			8
		4			7			
5	1	6			2	4		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
- प्रत्येकक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3*3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रहे।
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
- पहेली का केवल एक ही हल है।

मुंबई हलचल सुडोकू-109

8	4	2	1	7	3	6	9	5
6	5	1	4	9	2	7	8	3
7	9	3	5	8	6	1	4	2
9	1	7	2	3	4	8	5	6
2	8	5	6	1	7	9	3	4
3	6	4	8	5	9	2	1	7
5	2	8	7	4	1	3	6	9
4	3	6	9	2	8	5	7	1
1	7	9	3	6	5	4	2	8

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

सीओपीडी समय रहते हो जाएं सावधान

सर्दियों के मौसम में सी.ओ.पी. डी. के मामले काफी बढ़ जाते हैं और जो लोग पहले से ही इस मर्ज से ग्रस्त हैं, उनकी समस्याएं और भी बढ़ जाती हैं। क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (सी.ओ.पी.डी.) फेफड़े की एक गंभीर बीमारी है, जिसे आम भाषा में क्रॉनिक ब्रॉन्काइटिस भी कहते हैं। सर्दियों के मौसम में सी.ओ.पी. डी. के मामले काफी बढ़ जाते हैं और जो लोग पहले से ही इस मर्ज से ग्रस्त हैं, उनकी समस्याएं और भी बढ़ जाती हैं। ओपीडी प्रमुख रूप से धूम्रपान बीड़ी, सिगरेट, हुक्का और चिलम पीने वालों को होता है। इसके अतिरिक्त ऐसे लोग जो धूल, धुआं और प्रदूषित वातावरण के प्रभाव में रहते हैं, उन्हें भी इस बीमारी के होने का खतरा होता है। प्रायः यह बीमारी 30 से 40 वर्ष की आयु के बाद शुरू होती है। इस बीमारी का प्रकोप सर्दी के मौसम में बढ़ जाता है।

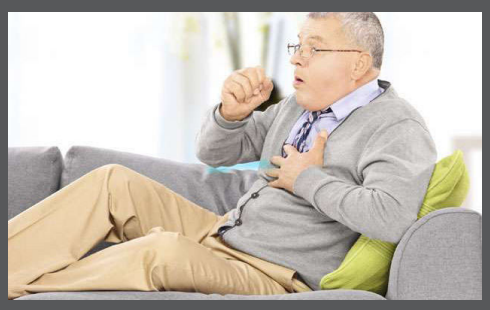

मर्ज का दूसरा प्रकार: सी.ओ.पी.डी. को अक्सर धूम्रपान करने वालों से संबंधित रोग माना जाता है। यह बात अपनी जगह सत्य भी है, लेकिन अब नॉन स्मोकिंग सी.ओ.पी.डी. (धूम्रपान के अलावा अन्य कारणों से होने वाला यह मर्ज) विकासशील देशों में एक बड़ा स्वास्थ्य संबंधी मुद्दा बन चुका है। हाल के अध्ययनों मे पता चला है कि ऐसे अनेक जोखिम भरे कारक हैं, जो धूम्रपान नहीं करने वाले लोगों में भी इस रोग के होने का जोखिम बढ़ाते हैं। दुनिया भर की तकरीबन आधी जनसंख्या जैव ईंधन (बॉयोमास फ्यूल) के धुएं के संपर्क में रहती है, जिसका उपयोग खाना बनाने के लिए किया जाता है।

इसलिए, ग्रामीण इलाकों में जैव ईंधन से उत्पन्न धुएं और प्रदूषण के संपर्क में आना भी सी.ओ.पी.डी. का मुख्य कारण है।

जैव ईंधन का दुष्प्रभाव: देश के शहरी भागों के 32 प्रतिशत घरों में अब भी जैव इंधन से चलने वाले चूल्हे का उपयोग होता है, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग 70 प्रतिशत जनसंख्या खाना बनाने के लिए जैव ईंधन जैसे लकड़ी, कंडे या उपले, अंगीठी और केरोसीन ऑयल का प्रयोग करती है।

विकासशील देशों में सी.ओ.पी.डी. से होने वाली करीब 50 प्रतिशत मौतें जैव ईंधन के धुएं के कारण होती है। इस पचास प्रतिशत मौतों में भी 75 प्रतिशत मौतें महिलाओं की होती हैं। जैव या बायोमास ईंधन-जैसे लकड़ी ,पशुओं का गोबर, फसल के अवशेष आदि सी. ओ.पी.डी. की समस्या उत्पन्न कर सकते हैं। ग्रामीण इलाकों में महिलाएं और लड़कियां रसोईघर में अधिक समय बिताती हैं।

वायु प्रदूषण और बीमारी: वायु प्रदूषण की मौजूदा स्थिति ने भी शहरी इलाकों में सी.ओ.पी.डी. के खतरे को बढ़ा दिया है। वायु प्रदूषण की दृष्टि से दुनिया के सबसे अधिक प्रदूषित 20 शहरों में से 10 भारत में हैं।

उपचार

सी.ओ.पी.डी. के उपचार में इन्हेलर चिकित्सा सर्वश्रेष्ठ है, जिसे डॉक्टर की सलाह के अनुसार नियमानुसार लिया जाना चाहिए। सर्दियों में दिक्कत बढ़ जाती है। इसलिए डॉक्टर की सलाह से दवा की डोज में परिवर्तन किया जा सकता है। खांसी और अन्य लक्षणों के होने पर डॉक्टर की सलाह के अनुसार संबंधित दवाएं ली जा सकती हैं। खांसी के साथ गाढ़ा या पीला बलगम आने पर डॉक्टर की सलाह से एंटीबॉयोटिक्स ली जा सकती हैं।

क्या करें

- *सर्दी से बचकर रहें। पूरा शरीर ढकने वाले कपड़े पहनें। सिर, गले और कानों को खासतौर पर ढकें।*
- *सर्दी के कारण साबुन पानी से हाथ धोने की अच्छी आदत न छोड़ें। यह आदत आपको जुकाम और फ्लू की बीमारी से बचाकर रखती है।*
- *गुनगुने पानी से नहाएं।*
- *नियमित रूप से डॉक्टर के संपर्क में रहें और उनकी सलाह से अपने इन्हेलर की डोज भी सुनिश्चित करा लें।*
- *कई बार इन्हेलर की मात्रा बढ़ानी होती है और आमतौर पर ली जाने वाली नियमित खुराक से ज्यादा मात्रा में खुराक लेनी पड़ती है।*
- *धूप निकलने पर धूप अवश्य लें। शरीर की मालिश करने पर रक्त संचार ठीक होता है।*
- *सर्दी, जुकाम, खांसी, फ्लू व सांस के रोगियों को सुबह-शाम भाप (स्टीम) लेना चाहिए। यह गले व सांस की नलियों (ब्रॉन्काई) के लिए फायदेमंद है।*
- *डॉक्टर की सलाह से वैक्सीन का प्रयोग जाड़े केमौसम में सक्रिय हानिकारक जीवाणुओं से सुरक्षा प्रदान करता है।*
- *हाथ मिलाने से बचें। नमस्ते करना ज्यादा स्वास्थ्यकर अभिवादन है। इससे आप फ्लू समेत स्पर्श से होने वाले कई संक्रमणों से बच सकते हैं।*

प्रेग्नेंसी से बचने के लिए इन खतरनाक चीजों का इस्तेमाल करती थीं महिलाएं

बर्थ-कंट्रोल के लिए आजकल की महिलाएं दवाइयों का सहारा लेती हैं। लेकिन क्या कभी सोचा है कि पुराने जमाने में बच्चे की चाहत नहीं रखने वाली महिलाएं क्या उपाय करती थीं। जी हां आज हम आपको इसके बारे में बताने जा रहे हैं, जिसके बारे में जानकर यकीनन आपके होश उड़ जाएंगे। आइए जानते हैं पुराने जमाने में महिलाएं बर्थ-कंट्रोल के लिए कैसे- कैसे

पैंतरों का इस्तेमाल करती थीं। इस कड़ी में सबसे पहले स्थान पर है मगरमच्छ का मल। 1850 बीसी के मिस्र के कई दस्तावेज बताते हैं महिला योनि में शुक्राणुओं का प्रवेश रोकने के लिए योनि को मगरमच्छ के मल, हनी और सोडियम बाइकारबोनेट के कड़े घोल को भर दिया जाता था। मान्यता था कि इसमें शुक्राणुओं को के अंदर जाने और उसे बढ़ने से रोकने की ताकत है। मध्यकाल में कुछ ऐसी मान्यता थी कि अगर महिला की जांघों पर वीजल नाम के जानवर का अंडाशय और एक हड्डी बांध दी जाए तो महिला गर्भवती नहीं होगी। गर्भधारण रोकने के लिए सबसे खतरनाक उपायों में शामिल है लेड और मरकरी से बना घोल जिसे महिलाओं को पिलाया जाता था। इस घोल को चीन में इस्तेमाल किया गया।

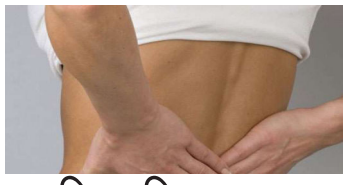

सियाटिका का सटीक इलाज

डिस्ट्रैक्शन लैमिनोप्लास्टी नामक सर्जिकल तकनीक के प्रचलन में आने से अब सियाटिका से पीड़ित लोगों का इलाज अतीत की तुलना में कहीं ज्यादा बेहतर हो चुका है...

इस सर्जिकल तकनीक में रीढ़ की हड्डी के ऊपर 2 से 3 सेमी.का चीरा लगाकर विशेष उपकरणों द्वारा कोई हड्डी काटे बगैर नस पर दबाव पूरी तरह से हटा देते हैं। नस खुलने के बाद समस्या पूरी तरह से ठीक हो जाती है। इस तकनीक से नस की सूजन, तनाव और दबाव पूरी तरह से ठीक हो जाता है और मरीज को पूर्ण रूप से आराम मिल जाता है। सर्जरी पूरी तरह सुरक्षित और सफल है। दो दिन में मरीज घर चला जाता है। मरीज को रक्त नहीं चढ़ाना पड़ता है। मरीज को तुरंत आराम मिल जाता है और हफ्ते भर में वह काम पर भी लौट सकता है।

एडल्ट फिल्में

देखने की आदत से हैं परेशान तो करें ये उपाय

कुछ लोगों को बुरी चीजो की आदत होती है। यह जरूरी नहीं कि बुरी चीजों की लत कोई नशा करना या जुआ खेलना ही हो। हम जिस बुरी लत की बात कर रहे हैं वो है एडल्ट फिल्में ज्यादा देखना। इस बात को जानकर आपको हैरानी होगी की इस बुरी आदत का असर शादीशुदी जिंदगी पर भी पड़ सकता है। अगर आप इस बुरी लत से परेशान है और इससे छुटकारा पाना चाहते हैं तो कुछ असरदार उपाय अपनाकर इस लत से छुटकारा पा सकते हैं।

1. खुद को करें पक्का

आपको इस लत को छोड़ने के लिए खुद को करें पक्का करें। यह बात बिल्कुल सही है कि एक दम ही किसी आदत को छोड़ा नहीं जी सकता। इसके लिए पहले तो रोज-रोज एडल्ट फिल्में देखने की बजाए महीने में 2-3 बार ही देखने का प्रयास करें। आपने आप को पत्नी और बच्चों के साथ बिजी रखें।

2. एकांत से बचे

आपको अगर अकेले बैठने की आदत है तो इससे आपकी परेशानी और भी बढ़ सकती है। अकेले समय बिताने से अच्छा है अपने परिवार के साथ समय बिताए और बीवी से हर बात शेयर करें।

3. शादीशुदी जिंदगी के ले मजा

शादीशुदी हैं तो सबसे जरूरी है कि लाइफपार्टनर के साथ समय बिताएं। वैवाहिक जिंदगी का आनंद लेने के लिए इस बुरी लत को हमेशा के लिए बॉय-बॉय कहें। इस समय एक दूसरे के साथ खुलकर बात करें और जिंदगी के मजा लें।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

चिंता में डूबी बेंगलुरू टीम से एबी डिविलियर्स ने कहा

मैं हूं ना

पहले 15 ओवर से ज्यादा रन अंतिम पांच ओवर में बना डाले

इंदौर। आईपीएल-10 के तहत सोमवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू और किंग्स इलेवन पंजाब का मैच एक तरह से दर्शकों के लिए एबी डिविलियर्स की वापसी का धमाकेदार ऐलान था। चोट के कारण प्रतियोगिता में अपनी टीम के शुरूआती मैच में नहीं खेले इस दक्षिण अफ्रीकी स्टार ने इस मैच से न सिर्फ टीम में वापसी की बल्कि यह भी दिखाया कि उन्हें क्यों फटाफट क्रिकेट का सबसे खतरनाक बल्लेबाज माना जाता है। एबी के प्रति दर्शकों की दीवानगी का आलम यह था कि मैदान पर एबी-एबी के नारे लगते रहे। इंदौर के होल्कर स्टेडियम में मैच देखने पहुंचे अपने प्रशंसकों को डिविलियर्स में निराश नहीं किया और महज 46 गेंदों पर 89 की धुआंधार पारी खेली। उनकी इस पारी में तीन चौके और 9छक्के शामिल थे। यह एबी की बल्लेबाजी का ही कमाल था कि बेंगलुरू की टीम 20 ओवर्स में 148 के स्कोर तक पहुंच पाई। टीम ने इस रनसंख्या तक पहुंचने में चार विकेट गंवाए।

मैच के शुरूआती ओवरों में बेंगलुरू की बैटिंग संघर्ष करती नजर आ रही थी। महज 68 रन पर टीम के चार विकेट गिर चुके थे। ऐसे समय डिविलियर्स और स्टुअर्ट बिन्नी की जोड़ी पर दोहरा दबाव था। इन दोनों का न सिर्फ तूफानी गति से स्कोर को बढ़ाना था बल्कि विकेट को भी बचाकर रखना था। शेन वॉटसन की टीम की हालत यह थी कि 15 ओवर के बाद इसका स्कोर 4 विकेट पर 71 रन था। ऐसा लग रहा था कि टीम आईपीएल-10 का सबसे कम स्कोर बनाने वाली है। एक पारी की न्यूनतम रनसंख्या फिलहाल सुरेश रैना की टीम गुजरात लायंस के नाम पर है जिसने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ कल 20 ओवर में सात विकेट पर 135 रन बनाए थे। ऐसा लग रहा था कि बेंगलुरू की टीम के कदम 120-125 रन के आसपास ही रुक जाएंगे। आस बची थी तो बस एबी डिविलियर्स से। जिन्होंने अपनी टीम को 'मैं हूं ना' का भाव दिया और आखिरी के ओवरों में ऐसा गेयर बदला कि टीम 148 की रनसंख्या तक छलांग लगाते हुए पहुंच गई। आखिरी के पांच ओवरों में 77 रन बने, यह संख्या पहले 15 ओवरों की रनसंख्या (71) से भी ज्यादा रही। इन 77 रनों में अकेले डिविलियर्स ने 51 रनों का योगदान दिया। 15 ओवर के बाद एबी 38 रन पर नाबाद थे वहीं 20 ओवर की समाप्ति पर वे 89 रन तक पहुंच चुके थे।

भारत ने चिली को हरा जीता वर्ल्ड लीग फाइनल

वेस्ट वेंकूवर, भारतीय सीनियर महिला टीम ने अपने अविश्वसनीय प्रदर्शन की बदौलत हॉकी वर्ल्ड लीग राउंड दो के रोमांचक फाइनल मुकाबले में चिली को पेनल्टी शूटआउट में 3-1 से हराकर न सिर्फ जीत अपने नाम की बल्कि वर्ल्ड लीग सेमीफाइनल के लिए भी क्वालीफाई कर लिया है।

भारत और चिली के बीच मुकाबला निर्धारित समय में 1-1 से बराबरी पर रहा जिसके बाद विजेता का फैसला शूटआउट में किया गया और टूर्नामेंट में अपने विजय अभियान को निरंतर आगे बढ़ा रहीं भारतीय महिलाओं ने 3-1 से जीत अपने नाम कर ली। टूर्नामेंट में अपनी मजबूत बाजुओं से भारत के लिये डटीं रहीं सविता को सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर का खिताब दिया गया।

इस जीत की बदौलत विश्व रैंकिंग में

11वें नंबर की टीम भारत ने और 19वीं रैंकिंग की टीम चिली ने दक्षिण अफ्रीका या बेल्जियम में होने वाले वर्ल्ड लीग सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई कर लिया है और उनके पास अब 2018 में लंदन में होने वाले हॉकी विश्वकप के लिए क्वालीफाई करने का मौका होगा। रोमांचक फाइनल में सविता ने शूटआउट में कमाल की भूमिका निभाई और चिली की किम जैकब और जोसेफा विलालाबिशिया के प्रयासों को विफल किया जिसकी बदौलत अंततः भारत वर्ल्ड लीग का राउंड टू जीतने में कामयाब रहा। भारत की ओर से शूटआउट में कप्तानी रानी और मोनिका ने पेनल्टी पर एक के बाद एक गोल किए और भारत को 2-0 से बढ़त दिलाई।

गोफिन की बदौलत सेमीफाइनल में पहुंची बेल्जियम

लंदन, डेविड गोफिन ने एकल मुकाबले में जीत के साथ बेल्जियम को यहां इटली के खिलाफ अपनी राष्ट्रीय टीम बेल्जियम को 3 वर्षों में दूसरी बार डेविस कप सेमीफाइनल में जगह दिला दी। चालेरीई में हुए डेविस मुकाबले में इटली के पाब्लो लोरेंजी को गोफिन ने 6-3 6-3 6-2 से लगातार सेटों में हराकर अपने घरेलू दर्शकों के सामने बेल्जियम को 3-1 से जीत दिला दी। सेमीफाइनल में अब बेल्जियम के सामने आस्ट्रेलिया की चुनौती होगी जिसने अमेरिका को हराया।

इससे पहले बेल्जियम को 2015 फाइनल में ब्रिटेन से हार झेलनी पड़ी थी। तीन वर्षों में यह दूसरी बार है जब बेल्जियम ने सेमीफाइनल में जगह बनाई है। दोनों टीमों के बीच क्वार्टरफाइनल में बेल्जियम की टीम इटली के खिलाफ जीत से मात्र एक अंक दूर थी लेकिन जोरिस डी लूरे और रूबेंस बेमेलमांस युगल में इटली के सिमोन बोलेली और आंद्रियस सेप्पी से युगल मुकाबला हार बैठे। इसके बाद गोफिन ने बेल्जियम को वापसी कराते हुये लोरेंजी के खिलाफ एकतरफा अंदाज में मुकाबला जीत लिया। डेविस कप एकल मुकाबलों में गोफिन ने 14 में से अपने 13 एकल मैच जीते हैं। बेल्जियम के कप्तान जोहान

वैन हेर्क ने कहा कि मैं बहुत खुश हूं। मैं जानता था कि डेविस हमारे लिये जीत सकते हैं। उन्होंने बेहतरीन ढंग से पेशेवर मुकाबला खेला। मुझे लगता है कि हमारे पास बेहतरीन टीम है।

सेमीफाइनल में आस्ट्रेलिया से मुकाबले को लेकर उन्होंने कहा कि आस्ट्रेलिया बहुत अच्छी टीम है लेकिन हमारे पास घरेलू मैदान का फायदा होगा। हमारे पास उन्हें हराने का मौका है। हम अपनी जीत की लय को आगे भी जारी रखेंगे। हम सेमीफाइनल में बहुत सी उम्मीदों के साथ जा रहे हैं। हम तीन वर्षों में दूसरे फाइनल में पहुंचने का प्रयास करेंगे।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

लाइमलाइट में रही आयशा!

आयशा टाकिया ने 10 अप्रैल को अपना 31वां बर्थडे सेलिब्रेट किया। आयशा बॉलीवुड की उन एक्ट्रेसेस की लिस्ट में शामिल हैं, जो अपने लुक एक्सपेरीमेंट को लेकर काफी लाइमलाइट में रही हैं। हाल ही में आयशा तब सुर्खियों में आ गई, जब वो लिप सर्जरी कराकर सामने आईं। सर्जरी के बाद उनका चेहरा काफी बदला नजर आया। जिसके लिए फैन्स ने आयशा को काफी ट्रोल भी किया। क्योंकि लिप सर्जरी के बाद सामने आईं फोटोज में उनका चेहरा वाकई काफी बिगड़ा नजर आया था। इतना ही नहीं आयशा टाकिया उन बॉलीवुड एक्ट्रैसेस में से एक हैं जिन्होंने सिलिकॉन इम्प्लांट कर अपने ब्रेस्ट साइज को भी बढ़वाया है। जब आयशा ने डेब्यू किया था, तब की फोटो और अभी की फोटो देखकर ये साफ पता चलता है कि सर्जरी के जरिए उनके ब्रेस्ट साइज बढ़ाया है। हालांकि, उन्होंने कभी लिप सर्जरी या ब्रेस्ट ट्रांसप्लांट की बात मानी है।

श्रद्धा कपूर ने दिया तोहफा

बॉलीवुड अभिनेत्री श्रद्धा कपूर ने अपने स्पॉट बॉय को खास तोहफा दिया है। श्रद्धा कपूर दिखने में जितनी खूबसूरत हैं, उससे भी कहीं ज्यादा खूबसूरत उनका दिल है। अपनी टीम को वह अपने परिवार जैसा मानती हैं। हाल ही में उन्होंने अपने स्पॉट बॉय को उसके जन्मदिन पर एक घड़ी गिफ्ट की। श्रद्धा के स्पॉट बॉय राजू पिछले कई सालों से उनके लिए काम कर रहे हैं। श्रद्धा और राजू दोनों का जन्मदिन एक ही दिन पड़ता है। हर साल की तरह इस साल भी उन्होंने राजू का बर्थडे केक काटकर सेलिब्रेट किया। श्रद्धा ने अपना बर्थडे शहर से बाहर सेलिब्रेट करने का प्लान बनाया है।

हाफ गर्लफ्रैंड का ट्रेलर रिलीज

बॉलीवुड एक्ट्रैस श्रद्धा कपूर की अपकमिंग फिल्म हाफ गर्लफ्रैंड का फर्स्ट लुक कुछ दिन पहले रिलीज किया गया था। इस में श्रद्धा बास्केटबॉल खेलती नजर आ रही थी। फिल्म 'हाफ गर्लफ्रैंड' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। इसमें अर्जुन बिहार के रहने वाले माधव झा और श्रद्धा रिया सोमानी का किरदार निभाती नजर आ रही हैं। बता दें कि चेतन भगत के नॉवेल 'हाफ गर्लफ्रैंड' पर बेस्ड इस फिल्म के ट्रेलर से साफ है कि दिल्ली के कॉलेज में एडमिशन लेने वाले माधव झा को इंग्लिश नहीं आती। उनकी दोस्ती कॉलेज की सबसे हॉट लड़की रिया सोमानी से होती है। वह उसे अपनी गर्लफ्रैंड बनाना चाहता है, जबकि रिया हाफ गर्लफ्रैंड बनने के लिए राजी होती है। फिल्म का ट्रेलर इनकी दोस्ती, प्यार और तकरार से भरा हुआ है। मोहित सूरी के डायरैक्शन में बनी यह फिल्म 19 मई को रिलीज होगी।